आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 154 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रविवार, 08 जून, 2025

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री ने सीहोर में किया 113 करोड़ रूपये से अधिक के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन

सीहोर जिला भी विकास के नए दौर में प्रवेश करेगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर में आयोजित कार्यक्रम में 113 करोड़ 45 लाख 59 हजार रूपये के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पीएम आवास, कल्याणी पेंशन, परिवार सहायता, संबल, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों को योजनाओं के स्वीकृति-पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीहोर नगर पालिका को विकास कार्यों के लिये 50 करोड़ रूपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीहोर की यह पावन धरती वर्ष 1857 में हुए स्वतंत्रता संग्राम के क्रांति बिगुल की साक्षी है। जिस प्रकार जलियांवाला बाग में स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारियों ने अपने प्राण न्यौछावर किए, उसी प्रकार इस पावन धरती पर 356 क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री रहते हुए जो योजनाएं और विकास के कार्य प्रारंभ किए, उन्हें आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। प्रदेश की लाड़ली बहनों के सशक्तिकरण के लिए बनी योजना की राशि को तीन हजार रूपये तक बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल जाए तो उनकी फसल सोना हो जाती है। सीहोर जिले के हर

खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने के बाद भोपाल एवं अन्य क्षेत्रों के साथ ही सीहोर जिला भी विकास के नये दौर में प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश को विकसित करने और बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। विकास का यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीहोर जिले के विकास के लिए अनेक घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश विकास की दौड़ में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश एवं प्रदेश के निरंतर विकास की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों से 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेंहू की खरीदी की जा रही है। प्रदेश सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मध्यप्रदेश में आज 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं और आने वाले 02 साल के भीतर प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान और सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने देश के दुश्मनों को घर में घुसकर मारने का काम किया है, इस महान कार्य में देश की जनता ने भी सरकार का एकजुट होकर साथ दिया है। भारत जियो और जीने दो की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।

विकसित खेती-समृद्ध किसान ही हमारा संकल्प : केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का निरंतर विकास हो रहा है। हमारा सदैव यह प्रयास है कि जनता के विकास, मान, सम्मान और स्वाभिमान में कभी कोई कमी न आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का लक्ष्य है कि जल्द से जल्द एक विकसित भारत का निर्माण हो। विकसित भारत के निर्माण के लिए सरकार के साथ जनता की सहभागिता आवश्यक है। जनता के सहयोग के बिना विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता। देश को विकसित बनाने के लिए देश के प्रत्येक गांव को विकसित बनाना होगा, इसके लिए जनता को सरकार के साथ मिलकर कार्य करना होगा। प्रत्येक नागरिक को अपने गांव को विकसित बनाने का संकल्प लेना होगा।
विकसित भारत के निर्माण के लिए हम सभी का यह दायित्व है कि हम जल एवं बिजली का संरक्षण करें। अपने गांव, शहर को स्वच्छ और नशामुक्त बनाएं। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा, सरकार का निरंतर प्रयास है कि कृषि के क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास किया जाए, जिससे किसानों की आय बढ़ाई जा सके और अधिक से अधिक बहनों को लखपति दीदी बनाया जाए, जिससे महिलाएं सशक्त बनें।
केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के पत्र का वाचन करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की 2018 की आवास प्लस सूची के तहत बचे हुए 7 लाख 85 हजार 356 मकानों के निर्माण की स्वीकृति दे दी है, जिनकी लागत राशि 9 हजार 424 करोड़ 3 लाख रुपये है। सभी पात्र हितग्राहियों को आवास मिल सके, इसके लिए प्रदेश में सर्वे किया जा रहा है और पात्रतानुसार हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में मनरेगा के लिए 06 हजार 263 करोड़ रुपये का लेवर बजट स्वीकृत किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि को विकसित बनाने के लिए वैज्ञानिक किसानों को घर-घर जाकर तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं। इससे कृषि को मुनाफे का व्यवसाय बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विकसित खेती और समृद्ध किसान ही हमारा संकल्प है।

राजा और सोनम का शिलॉन्ग के होटल के बाहर का CCTV फुटेज मिला

लापता सोनम ने वैसी ही जैकेट पहनी जैसी पुलिस को खून से सनी मिली थी

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम का शिलॉन्ग से एक नया CCTV फुटेज सामने आया है। यह वीडियो 22 मई का बताया जा रहा है। वीडियो में दोनों एक मोपेड से होटल पहुंचते नजर आ रहे हैं। यही मोपेड पुलिस को लावारिस हालत में मिली थी। इस मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव ने सीबीआई से जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है।

सीएम ने कहा- संकट की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ खड़ा है। मैंने मेघालय के सीएम से चर्चा की है। एमपी के पुलिस अधिकारी मेघालय के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। सीएम ने सोशल मीडिया X पर लिखा - मैंने इस प्रकरण में सीबीआई जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया है। सोनम की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

CCTV फुटेज में राजा और सोनम होटल के बाहर करीब 4 मिनट 53 सेकेंड तक नजर आए। सोनम ने जैकेट उतारा। फिर दोनों होटल के अंदर आए और स्टाफ से बात की। इसके बाद सामान रखकर फिर होटल के बाहर चले गए। फुटेज में सोनम ने लाल और नीले रंग की जैकेट पहन रखी है। ऐसी ही जैकेट सर्चिंग टीम को जंगल में मिली थी। उस पर खून के निशान थे। पुलिस इस फुटेज को महत्वपूर्ण सुराग मान रही है।

अल्टो कार में दिखे दो शख्स की जांच की मांग: मृतक राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने ये भी बताया कि वीडियो में एक लाल रंग की अल्टो कार दिख रही है। उसमें दो लोग हैं। एक फोन पर बात कर रहा है और इनको (राजा-सोनम) को देख रहा है। वहीं दूसरा शख्स मास्क पहने है। विपिन ने कहा कि पुलिस इसकी जांच करे तो कोई क्लू मिल सकता है।

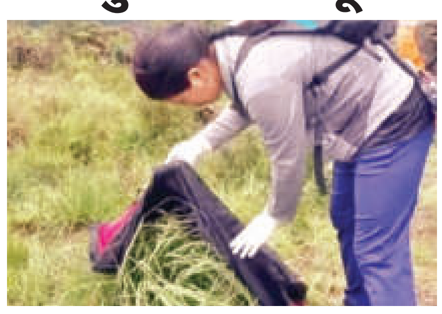

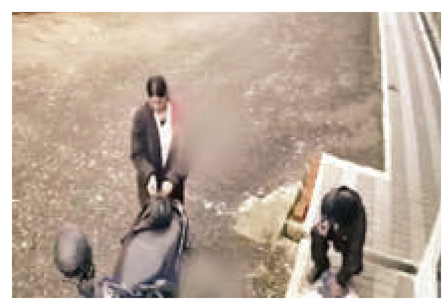

CBI जांच के लिए सीएम यादव की गृहमंत्री अमित शाह से अपील

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हनीमून मनाने मेघालय गए इंदौर के कपल राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी के मामले की जांच सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) से कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मेघालय के मुख्यमंत्री से बात की और केस की जांच सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया। राजा की हत्या और उनकी पत्नी सोनम का अबतक कुछ पता नहीं चलने से चिंतित परिजन इस मामले में लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, 'संकट की इस घड़ी में मध्यप्रदेश श्रीमती सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ खड़ा है। मैंने इस संबंध में मेघालय के मुख्यमंत्री से चर्चा की है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मेघालय के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं।
इस प्रकरण में सीबीआई जाँच आदेशित करने हेतु मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया है। श्रीमती सोनम रघुवंशी की सुरक्षित वापसी हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।' मुख्यमंत्री की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि इस मामले की परतें अब जल्द खुलेंगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज से मिले दंपती के परिजन

राजा-सोनम के परिजन और रघुवंशी समाज के लोग शुक्रवार देर रात केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास पर पहुंचे। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। शिवराज ने सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी से फोन पर बात की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की बेटी को सुरक्षित घर लाएंगे। बताया जा रहा है कि शिवराज ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात कर सहयोग के लिए निवेदन किया। उन्होंने मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा से भी इस बारे में चर्चा की।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी राजा रघुवंशी के परिजन से मुलाकात की

शनिवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी राजा रघुवंशी के परिजन से मुलाकात की। उनसे मिलने के बाद राजा के भाई विपिन ने मीडिया को बताया कि सोनम को उसका भाई गोविंद वहीं सोनम की तलाश कर रहा है। उसे धमकियां मिल रही है। उसने फोन पर बताया कि एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि आपने सोनम का पता बताने वाले को 5 लाख का इनाम देने की घोषणा की है। यहां के लोगों के लिए यह बहुत बड़ी राशि है। इसके बाद गोविंद खुद वहां के डीआईजी से मिलने गए थे। उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। विपिन के मुताबिक गोविंद ने यह भी बताया कि जीपीएस लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज में राजा और सोनम के पीछे कुछ संदिग्ध लोग और गाड़ियों को साफ देखा जा सकता है, लेकिन पुलिस ने इस अहम सुराग पर कोई कार्रवाई नहीं की है। होटल मालिक, गाइड और स्कूटी किराए पर देने वालों से पूछताछ की जाए तो कई खुलासे हो सकते हैं।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने सरकार से पूछे नौ सवाल

एजेंसी ● बेंगलुरु

कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल जीतने के बाद जश्न के बाद मची भगदड़ पर हाई कोर्ट ने सख्त सवाल पूछे हैं। हाई कोर्ट ने पूछा है कि यह बताएं कि आरसीबी के ट्रॉफी जीतने पर जश्न आयोजित करने का फैसला किसने लिया था। हाई कोर्ट इस सवाल के साथ अन्य आठ सवाल राज्य सरकार से पूछे हैं। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को सेवानिवृत्त हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा द्वारा बेंगलुरु स्टेडियम त्रासदी की न्यायिक जांच का आदेश दिया था।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने सुओ मोटो सुनवाई में पूछा है कि आरसीबी का जश्न मनाने का फैसला किसने लिया? हाईकोर्टने सरकार से नौ सवालों का जवाब 10 जून तक देने को कहा है। 10 जून को आगे की सुनवाई की जाएगी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार ने जानकारी मांगी है कि किस तरीके से और कब? क्या इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए कोई अनुमति मांगी गई थी? और क्या किसी भी खेल आयोजन और इस तरह के समारोह में 50,000 और उससे अधिक की भीड़ को प्रबंधित करने के लिए कोई एसओपी तैयार की गई है?

कोर्ट ने ये सवाल भी पूछे

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी एम जोशी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ ने पूछा है कि यातायात को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे? इसके साथ ही जनता/भीड़ को कंट्रोल करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे? आयोजन स्थल पर क्या चिकित्सा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी? समारोह के समय उपस्थित होने वाले लोगों की संख्या के बारे में पहले से कोई आकलन किया गया था? कोर्ट ने पूछा है कि क्या घायल व्यक्तियों को आयोजन स्थल पर चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई थी? यदि नहीं, तो क्यों? यह नौवें और आखिरी सवाल में पूछा है कि घायलों को अस्पताल ले जाने में कितना समय लगा?

राहुल गांधी के आरोपों को चुनाव आयोग ने बताया बेतुका

'महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान

एजेंसी ● नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के X पर इस पोस्ट के बाद कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव में 'धांधली' हुई है, भारत के चुनाव आयोग ने उनके दावों का बिंदुवार खंडन करते हुए कहा कि तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। ईसीआई ने कहा, 'महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पांच चरणों वाली प्रक्रिया के माध्यम से धांधली करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग से बीजेपी की सांठगांठ होने और मतदान प्रतिशत को बढ़ा-चढ़ाकर बताने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी ऐसा ही पैटर्न दोहराया जा सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर राहुल गांधी ने अखबार में लिखे अपने लेख का लिंक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में व्यवस्थित चुनावी हेरफेर का वर्णन किया था।

चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को दिए गए अपने जवाब में सभी तथ्य सामने रखे थे, जो आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। राहुल के आरोपों का खंडन करते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के तथ्यहीन आरोप न केवल कानून के प्रति पूर्ण अवहेलना दिखाता है, बल्कि पार्टी द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की ईमानदारी पर भी सवाल खड़े करता है और लाखों चुनाव अधिकारियों का मनोबल गिराता है, जो चुनावों के दौरान अथक मेहनत और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं।

मोहन भागवत बोले- एक व्यक्ति के कारण नहीं सामूहिक प्रयासों से मिली आजादी, 1857 में शुरू हुए प्रयास

एजेंसी ● नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश को आजादी किसके प्रयासों से मिली, इस पर हमेशा बहस होती है। लेकिन वास्तविकता यह है कि आजादी किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं, बल्कि सभी के सामूहिक प्रयासों से मिली। यह बात उन्होंने नागपुर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान कही।

मोहन भागवत ने आगे कहा कि देश की आजादी के लिए प्रयास 1857 में शुरू हुए थे, जिसके बाद पूरे देश में स्वतंत्रता संग्राम की लपटें भड़क उठीं और यह आग फिर कभी शांत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए प्रयास जारी रहे और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमें आजादी मिली।

बिना नाम लिए विपक्ष पर साधा निशाना

मोहन भागवत ने कहा कि अंग्रेजों से भारत की आजादी की महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए कोई भी सिंगल इकाई श्रेय लेने का दावा नहीं कर सकती है, क्योंकि ये असंख्य व्यक्तियों और समूहों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए इस धारणा को खारिज कर दिया कि कोई एक संस्था भारत की आजादी का श्रेय ले सकती है।

आरएसएस की भूमिका और सिद्धांत को विस्तार से बताया

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कार्यक्रम के दौरान आरएसएस की भूमिका और सिद्धांत को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग इसकी अच्छाइयों और खामियों के बारे में बात करते हैं, वे शायद इसके बारे में ठीक से नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा, 'जो लोग हमारे संगठन को समझने के लिए समय निकालते हैं, वे अक्सर कहते हैं कि वे बहुत प्रभावित हुए हैं और उन्होंने बहुत कुछ सीखा है।' उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस को ताकत अपने समर्पित स्वयंसेवकों के बलिदान से मिलती है, जो सामूहिक रुप से फैसले लेते हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस के बारे में फैली गलत धारणाओं को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि संघ में किसी एक व्यक्ति की वाहवाही नहीं होती, बल्कि सदस्यों के सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस में सबसे बड़ा पद एख साधारण स्वयंसेवक का होता है। मोहन भागवत ने कहा कि निस्वार्थ सेवा ही प्रत्येक स्वयंसेवक का सबसे बड़ा लक्ष्य है। वह अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करते हैं और यही आरएसएस का असली काम है। उन्होंने कहा कि दूसरों की मदद करने में ही सच्ची खुशी मिलती है। इस दौरान संघ प्रमुख ने स्वयंसेवकों को अपने संपर्क बढ़ाने और निस्वार्थ सेवा में शामिल होने लिए प्रोत्साहित किया।

500 से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में मिला रोजगार

रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि में 'प्लेसमेंट डे 2025' का भव्य आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 'प्लेसमेंट डे 2025' का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न उद्योगों और कंपनियों के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नवनीत व्यास, प्रेसिडेंट, इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ऑफ बगरौदा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. आर. पी. दुबे, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, एक्सईबीआईए इंडिया के जनरल मैनेजर श्री लियोनार्ड जसराज, वैलेंटिक की एचआर मैनेजर सुश्री अपेक्षा सीठा, नेट लिंक के असिस्टेंट मैनेजर श्री सचिन जग्गा एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड श्री अभिषेक श्रोती उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने की।

आयोजन

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नवनीत व्यास ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करना एक सराहनीय प्रयास है। यह समर्पण ही आज के युवाओं को देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में अवसर प्रदान कर रहा है। प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आरएनटीयू का लक्ष्य सिर्फ डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार योग्य बनाना है। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सफल होकर देश का नाम रोशन करें। कुलपति प्रो. आर. पी. दुबे ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और विश्वविद्यालय के समर्पण का परिणाम है। डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि आरएनटीयू ने हमेशा कौशल-आधारित शिक्षा पर बल दिया है और यह परिणाम उसी नीति का साक्ष्य है। इस मौके पर श्री लियोनार्ड जसराज, सुश्री अपेक्षा सीठा एवं श्री सचिन जग्गा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उद्योग जगत की अपेक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। गौरतलब है कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इस वर्ष कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मैककेन फूड्स लिमिटेड, टाटा एडवांस्ड, सीएट लिमिटेड, एक्साइड इंडस्ट्रीज, मदरसन लिमिटेड, सुब्रोस जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार प्राप्त हुआ है। इस वर्ष 500 से अधिक विद्यार्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ जिसमें से अधिकतम वेतन पैकेज 24 लाख प्रति वर्ष (LPA) तक रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पासआउट बैच के उन विद्यार्थियों को सम्मानित करना था जिन्होंने कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में चयनित होकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट सेल की टीम द्वारा किया गया और अंत में सभी चयनित विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शॉट न्यूज

नकली नोटों के साथ दो आरोपी पकड़े

इंदौर। बीएनपी थाना पुलिस ने नकली नोट मामले में दो आरोपियों को इंदौर से और एक को देवास जिले के भौंरासा के पास से गिरफ्तार किया है। इंदौर से गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के पास से 2.65 लाख के नकली नोट भी बरामद किए गए हैं। पुलिस जानकारी के अनुसार आरोपी दौलत खान व भारत पाटिल दोनों निवासी बुरहानपुर नकली नोट लेकर इंदौर स्थित देवास बायपास पर खड़े थे। भौंरासा से पकड़े गए आरोपी का नाम प्रदीप सेंधव है। टीआई अमित सोलंकी ने बताया कि बदमाश इंदौर में नकली नोट खपाने आए थे। पुलिस अब तक इस मामले में कुल 8 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इससे पहले 2 जून को बीएनपी थाना पुलिस ने नकली नोटों के कारोबार में 5 बदमाशों को पकड़ा था। सभी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है।

NRI महिला से चेन लूटने वाले दो पकड़ाए

इंदौर। पलासिया में खुद को सफाई कर्मचारी बताकर मॉर्निंग वॉक पर गई महिला के साथ लूट करने वाले दो युवकों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास एक पिस्तौल और सोने की चेन बरामद की गई है। पकड़ाए आरोपी में एक ढाबे का संचालन करता है। महिला अमेरिका की रहने वाली है। यहां अपने देवर के यहां आई थी। पूरे मामले जानकारी देते हुए एसीपी तुषार सिंह द्वारा बताया गया कि पलासिया थाना क्षेत्र के कल्पना लोक कालोनी में रहने वाली एक महिला मॉर्निंग वॉक पर घर से निकली थी। एक युवक उनके पास आया और रोड साफ करने का बोल कर महिला को साइड कर महिला के गले से सोने की चेन छीन कर भाग गया। आगे ही वाहन पर एक अन्य उसका साथी वह खड़ा था, जिसके बाद दोनों भाग गए। लेकिन घटना स्थल पर एक पिस्तौल की मेकजिन मिली थी, उसी आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी ।

विदिशा का बदमाश देशी कट्टों सहित धराया, 4 हथियार जब्त

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियारों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अभिषेक, विदिशा का निवासी है और वह इंदौर में देशी कट्टे बेचने आया था। पुलिस ने उसे सौदे से पहले ही धर दबोचा। डीसीपी जोन-1 विनोद मीणा के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी के पास से कुल 4 देशी कट्टे बरामद किए हैं। इनमें तीन कट्टे 315 बोर के और एक 12 बोर का है। एसीपी राजेश बिलवाल के अनुसार, अभिषेक यह हथियार चंबल क्षेत्र से सस्ते दामों पर लाकर इंदौर में सप्लाई करता था। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वह ये हथियार किसे बेचने आया था। आरोपी पर पहले से चार आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें एक मामला इंदौर के विजय नगर थाने में भी शामिल है, जहां वह आर्म्स एक्ट में पकड़ा गया था।

ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत रेल परिसर में

अवैध शराब परिवहन पर आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्यवाही

17 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● भोपाल

रेल परिसरों में सुरक्षा एवं निगरानी को सशक्त बनाने हेतु चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सतर्क' के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल की रेल सुरक्षा बल और राज्य पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यवाही को अंजाम दिया गया। भोपाल पोस्ट से सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक जितेंद्र उपाध्याय, प्रधान आरक्षक सर्वेश सिंह तथा जीआरपी के प्रधान आरक्षक दीपक खेड़कर द्वारा भोपाल स्टेशन के बीना की साइड आउटर क्षेत्र में संयुक्त चेकिंग के दौरान बाबूराम पुत्र कालपी (उम्र 55 वर्ष, निवासी शिवपुरी, नई दिल्ली) को संदिग्ध रूप में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद तीन बैगों से कुल 17 बोतल अंग्रेजी शराब (रॉयल स्टैग – 14 बोतल, ब्लैक डॉग – 03 बोतल), प्रत्येक 750 एमएल, कुल मात्रा 12.750 लीटर, जिसकी अनुमानित कीमत 21,800/- पाई गई, को बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। तत्पश्चात जीआरपी द्वारा मौके पर ही कार्यवाही करते हुए शराब को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध जीआरपी थाना भोपाल पर धारा 34 मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि 'ऑपरेशन सतर्क' के अंतर्गत रेल परिसरों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु आरपीएफ-जीआरपी की टीमें निरंतर सतर्कता अभियान चला रही हैं। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा रेलवे परिसरों को अपराध मुक्त बनाना विभाग की प्राथमिकता है। रेल प्रशासन आमजन से अपील करता है कि रेल परिसर में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी आरपीएफ या जीआरपी पोस्ट को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कार्यवाही

पीजी कोर्स के लिए कम रजिस्ट्रेशन होने पर यूनिवर्सिटी चिंतित

इंदौर। पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स (पीजी) में एडमिशन के लिए देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने रजिस्ट्रेशन बंद कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस बार इन कोर्स में एडमिशन के लिए करीब 15 हजार रजिस्ट्रेशन हुए हैं। वहीं देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में इन कोर्स के लिए 14 हजार 500 सीटें हैं। कम संख्या में रजिस्ट्रेशन होने पर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रशासन को चिंता हो रही है। इसके बावजूद कि सीयूईटी-पीजी आवेदन प्रक्रिया के दौरान रिकॉर्ड 86 हजार प्रत्याशियों ने डीएवीवी कोर्स को अपनी प्राथमिकता के रूप में चुना था । अधिकारियों के अनुसार एमबीए (वित्त), एमबीए (मार्केटिंग) और एमबीए (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) जैसे कुछ कोर्स की मांग बढ़ी है। इस वर्ष डीएवीवी द्वारा पीजी काउंसलिंग पूरी तरह से ऑनलाइन आयोजित करने का पहला प्रयास किया गया है। विश्वविद्यालय 24 जून को पहली सीट आवंटन सूची जारी करेगा। आवंटित सीटें छात्रों को दस्तावेजों को सत्यापित करने और शुल्क जमा करने के लिए 30 जून से 2 जुलाई के बीच परिसर में रिपोर्ट करना होगा। उधर, डीएवीवी प्रवेश समिति अधिकारियों का कहना है कि हम अब समय सीमा नहीं बढ़ाएंगे, क्योंकि ऑनलाइन काउंसलिग कार्यक्रम में बाधा आएगी। प्रवेश प्रक्रिया अब मेरिट सूची तैयारी चरण में चली जाएगी, जो 6 से 10 जून तक होगी।इसके बाद 12 जून को सूची जारी की जाएगी।

अंतिम तारीख तक भी 15 हजार प्रत्याशियों ने किया आवेदन

2025 कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स लिस्ट में शामिल हुईं

सुप्रिया लाइफसाइंस की डॉ. सलोनी वाघ और शिवानी वाघ

संवाददाता ● भोपाल

यह गर्व का क्षण है कि फार्मास्युटिकल उद्योग की अग्रणी कंपनी सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड की प्रबंध निदेशक डॉ. सलोनी वाघ और संयुक्त प्रबंध निदेशक सुश्री शिवानी वाघ को प्रतिष्ठित 2025 कैंडेरे हुरुन इंडिया (Candere Hurun India) वुमन लीडर्स लिस्ट में शामिल कर सम्मानित किया गया है। कैंडेरे और हुरुन इंडिया के संयुक्त प्रयास से तैयार की गई इस सूची में भारत की 95 सबसे उत्कृष्ट महिला नेताओं को शामिल किया गया है, जो व्यापार, नेतृत्व और प्रभाव के क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दे रही हैं।

इस वर्ष का विषय "Celebrating Women Creating Opportunities" (अवसरों का सृजन करने वाली महिलाओं का उत्सव), जिसे 2025 कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स लिस्ट इवेंट के लिए चुना गया है, दोनों सम्मानित नेताओं की नेतृत्व करने की विचारधारा के साथ गहराई से मेल खाती है। इनका चयन उनके दृढ़ संकल्प और उद्देश्यपूर्ण यात्रा का प्रतीक है, जो सुप्रिया लाइफसाइंस को उनके नेतृत्व में एक वैश्विक फार्मास्युटिकल अग्रणी कंपनी के रूप में निरंतर आगे ले जा रही है।

सुप्रिया लाइफसाइंस की प्रबंध निदेशक डॉ. सलोनी वाघ ने कहा, ' 'फार्मास्युटिकल क्षेत्र में अग्रणी होने के लिए एक ऐसे दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो नवाचार को जिम्मेदारी के साथ जोड़ता हो। हमारा ध्यान केवल व्यवसायिक विकास तक सीमित नहीं है - यह ऐसे स्थायी स्वास्थ्य समाधान बनाने पर केंद्रित है, जो वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाएं। यह सम्मान हमें सीमाओं से आगे बढ़ने और एक ऐसी कार्य-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है, जहां हर चुनौती एक सार्थक बदलाव का अवसर बन जाए।' सुप्रिया लाइफसाइंस की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुश्री शिवानी वाघ ने कहा, 'यह सम्मान हर उस महिला का है जो नेतृत्व करने का साहस रखती है, और हर उस टीम सदस्य का जो सामूहिक प्रगति में विश्वास करता है। सुप्रिया लाइफसाइंस में हमारी यात्रा हमेशा एक साझा दृष्टिकोण से संचालित रही है - स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाना, साथ ही लोगों और साझेदारियों को सशक्त बनाना। ऐसी प्रतिष्ठित सूची में शामिल होना हमारे लिए गौरव की बात है, जो प्रभावशीलता और उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व को प्रमुखता से सामने लाती है।' 2025 कैंडेरे हुरुन इंडिया (Candere Hurun India) महिला लीडर्स लिस्ट उन महिलाओं को सम्मानित करती है जिन्होंने स्वयं निर्मित संपत्ति के रूप में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है।

विकास की तैयारी... ओवरब्रिज का बना आधार...

पश्चिम क्षेत्र के राजेंद्र नगर में ओवरब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पिल्लर लगभग तैयार हो गए हैं।

अमेरिका और जापान को निर्यात की जाने वाली जनरेटर सेट की पहली खेप भेजी गई

कूपर कॉर्पोरेशन का क्लीन एनर्जी इंजन अब हो गया है ग्लोबल

संवाददाता ● पुणे

कूपर कॉर्पोरेशन पूरी दुनिया में इंजन, इंजन के कल-पुर्जों और जनरेटर के निर्माण के लिए मशहूर है, जिसने बड़े गर्व के साथ गैस से चलने वाले जेनसेट की अपनी पहली बड़ी शिपमेंट अमेरिका को भेजने की घोषणा की। यह एक बड़ी उपलब्धि है जिससे पता चलता है कि कंपनी ने अमेरिका को बड़े पैमाने पर किए जाने वाले निर्यात की शुरुआत कर दी है। कंपनी आने वाले समय में 5 kVA से 500 kVA तक के जेनसेट के निर्यात के लिए तैयार है, जिन्हें अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) की ओर से मंजूरी दी गई है। कूपर कॉर्पोरेशन के 10 kVA और 25 kVA के फ्लैगशिप गैस जेनसेट भारत में इस तरह के इकलौते ऐसे इंजन हैं, जो EPA की कसौटी पर खरे उतरते हैं, जिससे जाहिर होता है कि इंजीनियरिंग के मामले में कंपनी सबसे आगे है और पर्यावरण के नियमों का पालन करने के इरादे पर अटल है। अमेरिकी बाज़ार में इन सभी जेनसेट्स को, खास तौर पर 25 kVA वाले वेरिएंट को बेहद शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। अमेरिका के अलावा, कूपर जापान को भी अपने वी-ट्विन एलपीजी 10 kVA जेनसेट का निर्यात कर रहा है और इसके लिए कंपनी ने जापान की सिंफ़ोनिया को अपना साझेदार बनाया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विस्तार से पता चलता है कि, ग्लोबल पावर सॉल्यूशन इंडस्ट्री में कूपर की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है।

घोषणा

कंपनी का मान बढ़ाने वाले इस अवसर पर, कूपर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री फरोख एन. कूपर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, 'आज कूपर कॉर्पोरेशन के लिए ऐतिहासिक और कंपनी का मान बढ़ाने वाली उपलब्धि का दिन है, क्योंकि हम अमेरिका को EPA-सर्टिफाइड जेनसेट के बड़े पैमाने पर निर्यात का शुभारंभ कर रहे हैं। इससे जाहिर होता है कि हम इनोवेशन, बेहतरीन क्वालिटी और वैश्विक पर्यावरण मानकों के पालन के अपने इरादे पर अटल हैं। इस इंडस्ट्री में सबसे आगे होने और EPA की कसौटी पर खरे 25kVA गैस जेनसेट के एकमात्र भारतीय निर्माता होने के नाते, हमें अमेरिका को 25kVa जेनसेट की कई थोक शिपमेंट में से पहली शिपमेंट भेजने पर गर्व है। इसके अलावा, हम सिंफ़ोनिया के साथ मिलकर जापान को अपने वी-ट्विन एलपीजी 10 kVA जेनसेट का निर्यात करके दुनिया में अपनी मौजूदगी को भी बढ़ा रहे हैं।

अपने देश में, हमारे इंजन एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय सेना के लिए भरोसेमंद रहे हैं, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उनकी अहम भूमिका रही है। साथ ही, फरवरी 2025 में लॉन्च किए गए हमारे 50 HP ट्रैक्टर को भी भारत मे काफी पसंद किया गया है। हमारी टीम की सच्ची लगन, हमारे ग्राहकों तथा सप्लायर्स के भरोसे के साथ-साथ सातारा में हमारी सौ साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत और यहां की मिट्टी से गहरे जुड़ाव की वजह से ही इन उपलब्धियों को हासिल करना संभव हो पाया है। हमारे संस्थापक, सर धनजीशाह बी. कूपर के विज़न से प्रेरणा लेकर, हम भारत में बने सॉल्यूशंस को दुनिया भर के बाजारों में उपलब्ध कराने के संकल्प पर कायम हैं।" ध्यान देने वाली बात ये है कि, देश की रक्षा करने वाली भारतीय सेनाएँ दस साल से भी ज़्यादा समय से कूपर के इंजन इस्तेमाल कर रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर में इनकी अहम भूमिका थी, जहाँ इंजन की मज़बूत बनावट और बेहद चुनौती भरे हालातों में भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए भारतीय सेनाओं ने उनकी तारीफ की।

कूपर कॉर्पोरेशन की विरासत सौ सालों से भी ज़्यादा समय से बेमिसाल इंजीनियरिंग और देश के विकास के लिए समर्पण की भावना के साथ गहराई से जुड़ी है, जिस कंपनी ने संजोकर रखा है। कंपनी का मुख्यालय सतारा में स्थित है, जिसकी स्थापना सर धनजीशाह बी. कूपर ने की थी, जो सतारा से महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री थे। इस क्षेत्र ने महाराष्ट्र को अब तक पाँच मुख्यमंत्री दिए हैं। यही गौरवशाली विरासत कूपर को इनोवेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए लगातार प्रेरित करती रहती है। तीन दशकों से ज़्यादा समय से कूपर के प्रोडक्ट्स ने अमेरिकी बाजार में, अपनी गहरी छाप छोड़ी है। लगातार कामयाबी की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, कूपर ने इनोवेशन करने, भरोसेमंद बनने और सबसे उम्दा प्रदर्शन की अपनी बेहतरीन परंपरा को बनाए रखा है।

मेट्रो में मुफ्त सफर का आखिरी दिन, कल से खरीदना होगा टिकट

रोज पांच 5000 यात्रियों की जेब से पकड़ा जा रहा गुटखा

संवाददाता ● इंदौर

देश के सबसे स्वच्छ शर इंदौर में सड़क पर गुटखा खाकर थूकने की पाबंदी है। अब मेट्रो भी इसकी लत छुड़वाने में सहयोग करेगी। दरअसल इन दिनों मेट्रो ट्रेन के स्टेशन पर एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। यहां पर फ्लाइट में चेक इन करने के दौरान की जाने वाली सिक्योरिटी चेक इन जैसी ही चेकिंग हो रही है। इस दौरान मेट्रो की यात्रा करने पहुंचने वालों लोगों की जेब से रोज 1 किलो से ज्यादा गुटखा, खैनी, तंबाकू, जर्दा और बीड़ी के बंडल तक जब्त हो रहे हैं। पुरुष चेकिंग काउंटर पर इसका ढेर आसानी से देखा जा सकता है। मेट्रो में जहां रोज औसतन 20 हजार यात्री सफर कर रहे हैं तो इनमें से करीब 5 हजार यात्रियों की जेब से गुटखा–तंबाकू पकड़ा जा रहा है। शहर में 1570 करोड़ रुपए की लागत से मेट्रो के पहले फेस 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर संचालन शुरू हुआ है। इसमें शहरवासियों को एक सप्ताह के लिए फ्री यात्रा करने को मिल रही है। उस दौरान मेट्रो के स्टेशन पर सिक्योरिटी अफसरों द्वारा बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त की जा रही है। इसमें बड़ी मात्रा में जब्त गुटखा–पाऊच के ढ़ेर लग रहे हैं। इन्हें एक बॉक्स में इकट्ठा किया जा रहा है। मेट्रो में शनिवार तक शहरवासी फ्री सफर कर पाएंगे। रविवार से उन्हें टिकिट लेकर यात्रा करनी होगी।

रोक

रोज एक किलो के जब्त हो रही सामग्री- मेट्रो प्रबंधन के मुताबिक सिक्योरिटी अफसरों द्वारा पुरूषों की चेकिंग के दौरान उनकी जेब से सौंफ के पाऊच, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, सुपारी के पाऊच आदि मिल रहे हैं। चूंकि मेट्रो में इन सामग्री को ले जाना प्रतिबंधित किया है। ऐसी स्थिति मे इन्हें सुरक्षा जांच के दौरान बाहर ही रखवा लिया जा रहा है। सुबह से रात तक रोज लगभग एक किलो के करीब सामग्री इकट्ठा हो रही है। जिसे बाद में नष्ट किया जा रहा है।

पहले तो बहाने बनाते, फिर सख्ती करने पर फेंक देते - बताया गया कि मेट्रो की सुरक्षा में लगे अफसर यात्रियों की जांच के लिए एक लाइन में आने का कहते हैं। इस दौरान जैसे ही यात्री उनके पास पहुंचते हैं और उनकी जेब से तंबाकू या गुटखे निकलते हैं तो फिर वे पहले तो बहाने बनाने लगते हैं कि– अरे सर जरा सा तो है, ले जाने दीजिए, अंदर नहीं खाएंगे। बड़ा महंगा खरीदा है, अभी खरीदकर ही लाए हैं, पैसे वेस्ट हो जाएंगे, आप अपने पास रख लीजिए हमें बाद में दे देना आदि तरह की बातें करते हैं। इस पर जब सुरक्षा अधिकारी सख्ती करते हैं तो फिर यात्रियों को मजबूरन उन्हें डस्टबिन में फेंकना पड़ता है।

5 दिन में ही 1 लाख से ज्यादा ने की यात्रा- मेट्रो का शुभारंभ 31 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल से वर्चुअल तरीके से किया था। उसके बाद से एक सप्ताह के लिए इसे फ्री किया गया था। पहले ही दिन 1 जून को 26803, 2 जून को 16071, 3 जून को 19701, 4 जून को 20534 और 5 जून को 21179 यात्रियों ने सफर किया। ऐसे में अभी तक कुल 5 दिनों में ही 1 लाख 4 हजार 288 यात्रियों ने सफर कर लिया है।

सफर करने से पहले नियमों पर डाल लें एक नजर

मेट्रो ट्रेन के फ्री सफर समाप्त होने के बाद प्रबंधन यात्रियों पर सख्त नियम लागू करेगा। इसकी गाइडलाइन जारी की गई है। यात्रियों ने अगर नियम तोड़े तो जुर्माना और जेल दोनों का सामना करना पड़ सकता है। इसको लेकर मेट्रो के हर स्टेशन पर नियम–कायदों के बोर्ड चस्पा किए गए हैं।

- महिला कोच में पुरुष चढ़े तो 3 महीने की जेल और 250 रुपए जुर्माना।
- पालतू जानवर मेट्रो में नहीं ले जा सकते।
- प्रोफेशनल कैमरे से फोटोग्राफी की तो परमिशन जरूरी होगी।
- खेलकूद का सामान ढंका हुआ या पैक हो।
- कोच में स्टिकर चिपकाया, विज्ञापन किया तो सीधे फाइन लगेगा।
- केवल दो सीलबंद शराब की बोतलें ले जा सकते हैं। ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा शराब पी है और जुर्माना तय।
- फर्श पर बैठे मिले तो 200 रुपए जुर्माना।
- गुटखा थूकने या शराब पीकर सफर करने पर टिकट जब्त, 200 रुपए फाइन।
- चाकू, हथौड़ा, पटाखे और हथियार ले जाने पर रोक।
- सिख समाज के लोग कृपाण रख सकते हैं। लंबाई 9 इंच से ज्यादा न हो।

शॉट न्यूज

बंद ऋतु में मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय और परिवहन पर रोक

इंदौर। इंदौर जिले में बंद ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) की दृष्टि से उन्हें संरक्षण देने हेतु मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा-3(2) के अंतर्गत 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। उक्त अवधि में सभी प्रकार की मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय अथवा परिवहन करना निषेध रहेगा। ऐसा छोटे तालाब या अन्य स्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी या नाले से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लिया गया हो, उनको छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु में मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

रूस में इंदौरी झोले से लेकर इंदौर 311 एप तक की चर्चा

इंदौर। लोकमाता अहिल्या की नगरी और यहां किए जाने वाले नवाचार भारत ही नहीं दुनिया में चर्चा का विषय रहते हैं। ऐसा ही कुल रुस में हो रहा है। यहां इंदौर में बनाए गए कपड़े के झोले और नगर निगम का एप 311 चर्चाओं में बना है। दरअसल रूस में आयोजित ग्लोबल डिजिटल फोरम कॉन्फ्रेंस में बतौर इंदौर मेयर के प्रतिनिधि के रूप में रूस पहुंचे, नगर निगम योजना समिति प्रभारी राजेश उदावत ने उक्त आयोजन में शामिल अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों को इंदौरी झोला उपहार और यादगार स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर उदावत ने इंदौर द्वारा डिजिटल सॉल्यूशन की चाबी को पूछे गए सवाल पर नगर निगम द्वारा बनाई गई इंदौर 311 एप्लीकेशन की खूबियां अन्य उपस्थिति प्रतिनिधियों के समक्ष रखी। उदावत ने कहा कि इंदौर 311 नगर निगम इंदौर की ऐसी डिजिटल चाबी है।

अंडरग्राउंड मेट्रो का काम एयरपोर्ट के पास शुरू होगा

इंदौर। मेट्रो के अंडरग्राउंड हिस्से में अब काम की शुरुआत गांधी नगर से एयरपोर्ट को जोड़ने वाले हिस्से में होगी। इसके लिए सड़क के मध्य हिस्से में शेड लगााए जा रहे है। ज्यादातर काम नाथ मंदिर रोड से एयरपोर्ट रोड तक होना है, लेकिन अभी तक वहां काम शुरू नहीं हो सका है। मेट्रो का डिपो गांधी नगर है। इससे पहले एयरपोर्ट को जोड़ा जाएगा। 31 किमी लंबे रुट की शुरुआत एयरपोर्ट से सुपर कॉरिडोर, चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहा, सुखलिया ग्राम, विजय नगर, खजराना चौराहा, बंगाली कॉलोनी, एमजी रोड, राजवाड़ा, बड़ा गणपति तक होगी। फिर एयरपोर्ट तक रुट बनेगा। मेट्रो कहां से अंडरग्राउंड होना है, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय चाहते है कि बंगाली कॉलोनी क्षेत्र से ही मेट्रो अंडरग्राउंड होना चाहिए, ताकि पलासिया चौराहे पर ब्रिज बनाने में परेशानी न हो।

सुबह कहीं छाए बादल तो कहीं बूंदाबादी सूरज भी करता रहा लुकाछिपी

संवाददाता ● इंदौर

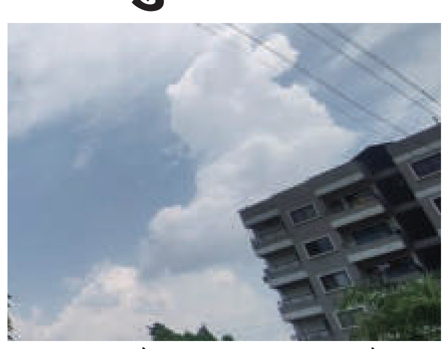

इंदौर में पिछले 24 घंटों में दिन का तापमान 1 डिग्री बढ़ा है। इसके साथ ही फिलहाल तेज बारिश जैसी स्थिति नहीं है। आज सुबह बादल छाए रहे। फिर धूप खिली और दिनभर मौसम लगभग साफ रहा। शाम को बादल छाने के साथ कहीं-कहीं रिमझिम हुई। रात को शहर के पूर्वी क्षेत्र में पांच-सात मिनट हल्की बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने आज बादलों के छाने के साथ कहीं-कहीं रिमझिम के आसार जताए हैं। वैसे इंदौर में दो दिनों में दिन के तापमान में 4 डिग्री का उछाल आया है लेकिन तेज धूप नहीं होने से गर्मी से निजात है। उमस का भी अहसास अब कम हुआ है।

मौसम

दिन का तापमान 36.3 (-3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह इस बार जून के पहले हफ्ते का सबसे ज्यादा तापमान है। हालांकि अभी भी यह सामान्य से 3 डिग्री कम है। रात का तापमान इन दिनों 23-24 डिग्री के करीब है। इस बार प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होने की संभावना है। इंदौर में 15 जून के आसपास आने का अनुमान है। खास बात यह कि इस बार मई में माह में प्री मानसून में 8.1 इंच बारिश हुई है जिससे काफी राहत है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक अभी प्रदेश के कई शहरों इन दिनों आंधी-बारिश वाला मौसम है। इंदौर में इसका खास असर नहीं है। अगले दो-दिन तेज हवा और हल्की बारिश का अनुमान है। शहर में गर्मी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को सीजन और इस साल का पहला दिन था जब दिन का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। इस तापमान के साथ ही शनिवार का दिन इस साल का सबसे गर्म दिन बन गया। वहीं रविवार को पारा एक डिग्री और उछल गया और 39.8 पर पहुंच गया। मौसम विभाग ने कल से तापमान में और अधिक बढ़ोतरी की संभावना जताई है। यह स्थिति अगले पांच दिनों तक बनी रहेगी, जिससे शहर में भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री था, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक था और शुक्रवार के तापमान से 1.4 डिग्री ज्यादा था। वहीं, रात का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था और शुक्रवार रात की तुलना में 1.8 डिग्री ज्यादा था।

एक वर्ष तक के शिशु, मातृ मौत की सूचना देने पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

इंदौर। इंदौर जिले में मातृ शिशु कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में मातृ शिशु मृत्यु की लगातार निगरानी और समीक्षा हो रही है। कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि जिले में यह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी शिशु और मातृ की मौत नहीं हो। उन्हें समय पर सभी चिकित्सकीय सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करायी जाये। समय पर उनका हर तरह का परीक्षण सुनिश्चित हो, समय पर प्रत्येक टीके लगाये जाये। उन्होंने बताया कि जन्म से लेकर एक वर्ष आयु तक के शिशु एवं मातृ मृत्यु की सूचना देने वाली आशा कार्यकर्ताओं को एक हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। इससे निगरानी और समीक्षा में मदद मिलेगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या, सिविल सर्जन डॉ. जी.एल. सोढ़ी, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रजनीश सिन्हा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिये विशेष प्रयास किये जायें।

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

शहर में बिजली कटौती के संबंध में दिए दिशा निर्देश

महापौर ने ली बिजली कम्पनी- न.निगम बैठक

संवाददाता ● इंदौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में निगम आयुक्त, शिवम वर्मा एवं विद्युत वितरण कम्पनी के एम.डी. अनूप कुमार सिंह और निगम अधिकारी एवं विद्युत वितरण कम्पनी के मुख्य अभियन्ता व अन्य अधिकारियों के साथ रेसीडेन्सी कोठी पर समीक्षा बैठक की गई जिसमें अपर आयुक्त नरेन्द्रनाथ पाण्डेय व अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थें। महापौर भार्गव द्वारा बारिश के कारण तथा बारिश आने के पूर्व विद्युत कटौती के क्रम में जो तैयारी की जाना है उसके संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा निर्देशित किया गया कि कई लोग वर्क फ्रॉम होम कार्य करते है ऐसी स्थिति में विद्युत कटौती होने पर उन्हे परेशानी होती है। इसलिए वर्षा के पूर्व मेन्टेनेंस के लिए जिस क्षेत्र में विद्युत कटोती की जाना है उस क्षेत्र के नागरिकों को विद्युत कटौती के पूर्व सूचना हो जाये और यह प्रयास किया जावे कि, कम से कम विद्युत कटोती हो।

मीटिंग

महापौर भार्गव द्वारा अन्नपूर्णा से सुदामा नगर तक बन रही रोड़ को आदर्श रोड के क्रम में विद्युत लाईन अण्डरग्राउण्ड करने के संबंध में निर्देश दिये गये है और प्रधानमंत्री के हर घर सोलर सिस्टम की योजना अन्तर्गत नगर निगम के 22 झोनों में से प्रत्येक झोन में एक कालोनी का चयन कर सभी घरों पर सोलर सिस्टम लगाने के भी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। महापौर भार्गव द्वारा डिजिटलाईजेशन के अन्तर्गत विद्युत वितरण कम्पनी के पोर्टल की प्रशंसा की गई।

समीक्षा बैठक के दौरान आयुक्त वर्मा द्वारा 6 हजार से अधिक स्ट्रीट लाईट दिन में भी जलती है के संबंध में भी चर्चा की गई, जिसे पेनल लगाकर दिन में लाईट में बन्द करने के कार्य हेतु कहा गया है। इसके साथ ही यातायात की दृष्टि से तुलसी नगर पुल के आगे राधिका पैलेस मेनरोड, डॉ. राजा रमन्ना चैराहा, सांवेर रोड दीपमाला चौराहा, पिपलियाहाना ग्रीड, बिचैली हप्सी अण्डर पास लेफ्ट टर्न में बाधक पोल एवं ट्रान्सफार्मर शिफ्ट करने के संबंध में चर्चा हुई जिस पर शीघ्र कार्यवाही करने हेतु निर्णय लिया गया। इसके साथ ही विद्युत पोलो पर लटकने वाली केबल जिसके कारण कई बार दुर्घटना की स्थिति निर्मित होती है तथा इससे शहर की सुंदरता भी प्रभावित होती है। महापौर श्री भार्गव द्वारा केबल हटाने के संबंध में निर्देश दिये गये। निगम के इलेक्ट्रिक कचरा संग्रहण वाहन के चार्जिंग हेतु 05 स्थानों पर विद्युत कनेक्शन लेने के संबंध में भी चर्चा की गई। विद्युत कम्पनी के ट्रास्फार्मर के नीचे सफाई नही होने के कारण गंदगी दिखने से ट्रांसफार्मर के आसपस सुरक्षा एवं सफाई की दृष्टि से जाली लगाने के लिए भी कहा गया।

मध्य शहर का एकमात्र नेहरू पार्क स्मार्ट सिटी ने किया बर्बाद

वर्षों से डेवलपमेंट के नाम पर चल रहे प्रोजेक्ट, लोगों को हो रही असुविधा

संवाददाता ● इंदौर

किसी समय अपनी हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाने वाला इंदौर का नेहरू पार्क अब उजाड़ पार्क में तब्दील हो गया है। यह पार्क अब अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। किसी समय यह नगर का प्रमुख मनोरंजन का केंद्र हुआ करता था। इस पार्क के पेड़ों की छांव में कई छात्र बैठकर पढ़ाई किया करते थे। बच्चों की रेल की सीटी से गुंजायमान हुआ करता था यह पार्क। शुरू में यह बिस्को पार्क कहलाता था, फिर बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के नाम हुआ और अब स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में गया तो करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद संवरने के बजाए उजाड़ हो गया। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध आ रही है। यह इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौड़ ने भी महसूस की है, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इसमें धांधली के प्रति नाराजगी जताई है। गुरुवार को इंदौर के प्रमुख नेता और नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी नेहरू पार्क की बदहाली और पार्क में बने भवनों पर नाराजगी व्यक्त की है।

नाराजगी

होलकर राजवंश के वन संरक्षक थे सर बिस्को

18 वीं शताब्दी के अंत में इस उद्यान का नाम तत्कालीन होल्कर राज्य के वन संरक्षक सर विलियम फ्रेशर बिस्को के नाम पर रखा गया था। उस दौर में हर शनिवार को रियासत का प्रसिद्ध रॉयल बैंड अपने मधुर संगीत की धुनों से यहां जनता का मनोरंजन करता था। आजादी के 1954 में बिस्को पार्क इंदौर नगर पालिका को हस्तांतरित कर दिया गया। 1955 में इंदौर नगर पालिका परिषद ने बिस्को पार्क को अपने अधीन ले लिया। नगर पालिका परिषद के प्रस्ताव क्रमांक 573 दिनांक 24 अक्तूबर 1956 के तहत बिस्को पार्क का नाम पंडित जवाहरलाल नेहरु पार्क के नाम पर किया गया था।

सेफ्टी डिवाइस, जीपीएस और सीसीटीवी होना जरूरी

निजी स्कूल बसों के लिए गाइडलाइन जारी...

संवाददाता ● इंदौर

शहर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। रेसीडेंसी कोठी में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) प्रदीप शर्मा ने 100 से अधिक स्कूल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बगैर नियमों का पालन किए अब एक भी बस सड़क पर नहीं चलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि किसी बस में खामी पाई गई, तो सत्र शुरू होने के बाद सीधे कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में स्कूल संचालक अभी से सभी बसों के कागजात और अन्य सुरक्षा मापदंड की जांच कर लें।

निर्देश

दरअसल, इसी महीने में खुलने वाले शिक्षा सत्र के पहले परिवहन विभाग द्वारा स्कूल संचालकों के साथ बैठक की गई। विभाग ने सभी स्कूलों को चेकलिस्ट का फार्म दिया है, जिसमें फिटनेस, परमिट, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी कैमरे, अग्रनिशमन यंत्र आदि बिंदुओं को शामिल किया गया है। यह स्कूल संचालकों को यह फार्म भरकर परिवहन विभाग को देना होगा। स्कूल संचालकों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय सभी सुरक्षा मानकों का पालन भी करना होगा। बैठक में एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक संतोष कुमार कौल, एसीपी मनोज खत्री, सुप्रिया चौधरी, सुदेश कुमार सिंह और रेखा परिवार सहित स्कूल संचालक मौजूद रहे। एसीपी सुप्रिया चौधरी ने कहा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्कूल संचालक ड्राइवरों और कंडक्टरों का पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। पुलिस अधिकारियों ने स्कूल संचालकों से कहा कि स्कूल प्रबंधन अपने ड्राइवरों और परिचालकों को प्रशिक्षित करें और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

ये हैं दिशा-निर्देश

- स्कूल बस का रंग पीला होना चाहिए।
- बसों के आगे-पीछे "स्कूल बस" लिखा होना चाहिए।
- बसों में प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स होना चाहिए।
- बस में स्वीकृत स्पीड गवर्नर लगा होना चाहिए।
- प्रत्येक बस में सुरक्षा के लिए हारिजेंटल ग्रिल लगे हों।
- प्रत्येक बस में आग बुझाने के उपकरण हों।
- स्कूल का नाम और फोन नंबर लिखा हो।
- सीट के नीचे बैग रखने की व्यवस्था होना चाहिए।
- ड्राइवर के पास पांच साल का भारी वाहन का अनुभव होना चाहिए।
- बस में महिला चालक या परिचालक का होना आवश्यक है।
- आपातकालीन निकास द्वार बसों में रहे।
- बस में जीपीएस और सीसीटीवी अनिवार्य है।
- स्कूल बस में परदे या शीशे में फिल्म नहीं होना चाहिए।
- स्कूल बस के अंदर पर्याप्त रोशनी व सफाई हो।
- बस में इमरजेंसी सायरन और अलार्म, पैनिक बटन रहे।
- बरसात में पुल, पुलिया पर पानी होने पर पार न करें।
- बसों में क्षमता के अनुसार ही विद्यार्थी रहें।

अच्छी सड़कें सिर्फ जोड़ती नहीं हैं, जीवन को भी समृद्ध बनाती हैं

चेन्नई से 300 किलोमीटर दूर-दराज के एक गांव में एक महिला प्रसव पीड़ा में थीं। उन्हें मदद की जरूरत थी। बच्चा जन्म लेने वाला था। लेकिन उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सिर्फ सात किमी की दूरी तय करने में कई घंटे लग जाते। लेकिन यह जोखिम भरा था क्योंकि रास्ते उबड़-खाबड़ थे, कावेरी नदी उफान पर थी और गर्भवती महिला के साथ तैरकर पार करना संभव नहीं था। ऐसे में सबसे आसान और तेज विकल्प था कि दाई को बुलाया जाए। वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो। इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है।

यह खुशी नवजात के रोने की आवाज सुनकर थी। गली के कोने पर खड़े पुरुषों ने भी राहत की सांस ली। कुछ ने आसमान की ओर देखकर भगवान का धन्यवाद किया, तो कुछ ने अपनी गर्दन में लटके लॉकेट को उतारकर सम्मानपूर्वक अपनी आंखों पर लगाया। यह घटना 1940 की है और इसी तरह मेरी मां का जन्म हुआ था। एक दशक बाद जब उनके सबसे छोटे भाई का जन्म हुआ, तो यह दृश्य दोबारा नहीं देखा गया, क्योंकि तब तक वहां पक्की सड़क बन चुकी थी और लोग बैलगाड़ी में एक घंटे से भी कम समय में गर्भवती महिलाओं को पास के अस्पताल ले जाने लगे थे। हाल ही में जब मैं उस गांव में गया, तो देखा कि अब वही दूरी, आपस में जोड़ती दो लेन की सड़कों के कारण मात्र 15 मिनट में तय हो जाती है।

वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो। इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है।

यह पुरानी यादें इस गुरुवार को तब ताजा हो गईं, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ नाशिक के इगतपुरी में हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन किया।

701 किमी लंबे नागपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किमी खंड के उद्घाटन के साथ ही महायुति द्वारा राज्य के विकास के लिए किया गया वादा पूरा हुआ। यह एक्सप्रेसवे अब राज्य के बंदरगाह आधारित विकास योजना के तहत 24 जिलों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से बंदरगाहों से जोड़ता है। अपने भाषण में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार एक और वादा पूरा करेगी, जो है एक्सेस-कंट्रोल्ड शक्तिपीठ हाईवे का निर्माण। महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों में चार शक्तिपीठ हैं। इनके जुड़ने से न केवल तीर्थयात्रियों को लाभ होगा, बल्कि इससे मराठवाड़ा के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, जिसकी अमेरिका जैसे विकसित देशों के अंतरराज्यीय हाईवे सिस्टम से तुलना की जा सकती है।

इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका की सड़कें दुनिया की सबसे बेहतरीन सड़कों में गिनी जाती हैं। खासकर इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ये सड़कें न केवल परिवहन को सुगम बनाती हैं, बल्कि लॉजिस्टिक लागत को भी कम करती हैं। इससे व्यापारियों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलती है। यह नेटवर्क, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है, सुरक्षा में सुधार करता है और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है। इससे जीवन स्तर में भी सुधार होता है। सड़कों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा लाभ है। इसके अलावा, सड़क नेट-वर्क पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और मनोरंजन जैसे संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। फंडा यह है कि अच्छी सड़कों का निर्माण केवल कनेक्टिविटी नहीं बढ़ाता, बल्कि जीवन को भी समृद्ध बनाता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा देश भी समृद्ध होता है, क्योंकि इनसे व्यापार और वाणिज्य में उछाल आता है।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक ह्वगुप्त सत्रह्ल होना चाहिए। जब संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया।

एडिट.नोट

युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम ह्वकेवल तभी संभव हो सकाह्ल जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और ह्वएक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालनेह्ल के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल ह्वबातचीतह्ल हुई थी और ह्वव्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।ह्ल जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच ह्वसीधे संपर्कह्ल के जरिए हुआ था, ह्वअमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहींह्ल।

पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम ह्वप्रत्यक्ष संपर्कह्ल के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना ह्वपाकिस्तानी एजेंटह्ल होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है।

शशि थरूर - लेखक

भारत अब केवल कूटनीति पर ही निर्भर नहीं रहने वाला है

अब जब ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा होने आया है, उससे जुड़े कुछ निष्कर्षों को ठीक से समझ लेना जरूरी है। भारत की सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों और अन्य फेसिलिटीज पर जोरदार लेकिन ऐहतियाती और टारगेटेड हमला किया था। यहां तक कि आक्रमण का समय भी रात को इसलिए चुना गया ताकि नागरिकों को होने वाली क्षति से बचा जा सके। पाकिस्तान हाई-अलर्ट पर था, इसके बावजूद भारत ने सफलतापूर्वक उसकी डिफेंसिव-लाइंस को भेद दिया और अपने लक्ष्यों पर प्रहार करके कुछ आतंकवादियों का खात्मा करने में सफलता पाई। याद रहे कि इन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी शामिल हुए थे।

इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से भारत के इंगेजमेंट्स की शर्तें हमेशा के लिए बदल गई हैं, क्योंकि अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के ह्वअंतरराष्ट्रीयकरणह्ल के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें बहुत कम हासिल हो सका। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद प्रतिबंध समिति ने भी लंबे समय तक पाकिस्तान को अपने एक स्थायी सदस्य की छत्रछाया में रहने की अनुमति दी है।

भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अब वह केवल उसी पर निर्भर भी नहीं रहेगा। इसके बजाय, भारत अब आतंकवाद का सैन्य-बल से जवाब देगा और किसी भी जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट और दृढ़ संकल्प के साथ सामना भी करेगा। लेकिन भारत पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों की धौंस दिखाने की अनुमति नहीं देने वाला। 2016 में सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर 2019 में खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमले तक, भारत ने अपने अभियानों के दायरे का उत्तरोत्तर विस्तार किया है और ऐसा करते हुए नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों को लांघा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के गढ़ में प्रहार किए गए। भारत ने दिखाया है कि आतंकवाद का मुकाबला परमाणु-युद्ध को आमंत्रित किए बिना भी एक संतुलित सैन्य-प्रतिक्रिया से किया जा सकता है। पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अब जब भविष्य में कश्मीर या अन्य जगहों पर तबाही मचाने के लिए आतंकवादियों को भेजने पर विचार करेगा, तो पहले उसे खुद से पूछना होगा कि क्या वह भारत के जवाबी हमले के लिए भी तैयार है? उलटे इससे पाकिस्तान के लोगों को पानी की किल्लत हो सकती है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यही संदेश दिया था। जहां उसके बाद से भारत ने जलप्रवाह को मोड़ने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई है, लेकिन इस संदेश ने उपमहाद्वीप की भू-राजनीति को मौलिक रूप से बदल दिया है। भारत अब शांति के लिए बातचीत भर नहीं कर रहा है; वह पानी की निरंतर आपूर्ति के बदले में आतंकवाद की समाप्ति की मांग भी कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को यह भी याद दिलाया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद से कितने गहरे ताल्लुक हैं। युद्ध विराम को अंजाम देने वाली परदे के पीछे की बातचीतों के बारे में नए विवरण निस्संदेह सामने आएंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि यह भारतीय सैन्य दबाव के बिना संभव नहीं था। इसके बाद अब निकट-भविष्य में भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसी कोई भी बातचीत- खासकर कश्मीर मुद्दे पर- फिलहाल दूर की संभावना है।

वैसे भी कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मूल कारण नहीं है, यह तो पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अपने दावों को सही ठहराने के लिए फैलाया गया एक मिथक है। यह नैरेटिव एक ऐसे कट्टरपंथी तर्क पर आधारित है- जिसे हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दोहराया था- कि मुसलमान गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश में नहीं रह सकते। भारत व पाकिस्तान में कोई तुलना नहीं है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 11 गुना अधिक है और उसकी सैन्य-श्रेष्ठता के आगे भी पाकिस्तान नहीं टिकता। पाकिस्तान में उसकी फौज को हासिल अत्यधिक अधिकार, राष्ट्रीय बजट पर नियंत्रण, चीन और तुर्किए के साथ रणनीतिक गठबंधन उसे सशस्त्र संघर्ष को बनाए रखने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं, जबकि किसी भी पारंपरिक युद्ध में भारत हमेशा पाकिस्तान पर न केवल जीत हासिल करेगा, बल्कि उसे काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। भारत ने सीमापार आतंकवाद का सामना करने में जैसी दृढ़ता दिखाई, उस पर वह गर्व कर सकता है।

बिजनेस

लोन सस्ते होंगे, घरेलू वेज थाली की कीमत 5.76% घटीः चांदी की कीमत ऑल टाइम हाई पर पहुंची

नई दिल्ली। बड़ी खबर रेपो रेट और घरेलू थाली से जुड़ी रही। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (फ्इक) बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50% की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50% रह गया है। इससे बैंकों को फ्इक से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। वहीं, घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में (सालाना आधार पर) 5.76% घटकर 26.20 रुपए हो गई है। पिछले साल मई-2024 में वेज थाली की कीमत 27.80 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (फ्इक) बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50% की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50% रह गया है। इससे बैंकों को फ्इक से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। ब्याज में इस कटौती को बैंक अपने ग्राहकों को ट्रांसफर करते हैं, तो आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोन सस्ते होने पर लोगों की मौजूदा एटक भी घट जाएगी। ब्याज दरों में कटौती का फैसला मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 जून तक चली मीटिंग में लिया गया। फ्इक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 जून की सुबह इसकी जानकारी दी।भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में (सालाना आधार पर) 5.76% घटकर 26.20 रुपए हो गई है। पिछले साल मई-2024 में वेज थाली की कीमत 27.80 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी।क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट (फ्फ्फ्र) रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत अप्रैल की तुलना में मई में -0.38% घटी है। अप्रैल में वेज थाली की कीमत 26.30 रुपए थी।चांदी के दाम शुक्रवार (6 जून) को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) के अनुसार 1 किलो चांदी का भाव 610 बढ़कर 1,05,285 प्रति किलो पर पहुंच गया है। इससे पहले चांदी का भाव 1,04,675 प्रति किलो था।

हालांकि सोने के दाम में आज गिरावट रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,018 घटकर 97,145 पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 98,163 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 ऑल टाइम हाई बनाया था।चीन की ओर से कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का सीधा असर दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री पर दिखने लगा है। मारुति सुजुकी की पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन को जापान में अपने पॉपुलर मॉडल स्विफ्ट का प्रोडक्शन रोकना पड़ा है। वहीं, यूरोप की भी कुछ ऑटो कंपनियों ने प्रोडक्शन रोक दिया है। इसमें फोर्ड, निसान, इटह और मर्सिडीज जैसी कंपनियां शामिल हैं। चीन की पाबंदी का असर भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर पर भी पड़ेगा। इसलिए अगले हफ्ते एक भारतीय दल चीन जाएगा।इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस भारत में ऑपरेट करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, क्ठ-रढअउी के अप्रूवल का इंतजार है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले वनवेब और रिलायंस जियो को मंजूरी मिली थी।

राज-काज

कभी एलन मस्क ने उड़ाया था इस गाड़ी का मजाक

नई दिल्ली। चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने दुनिया के ऑटो मार्केट में तहलका मचा रखा है। शेनजेन की इस कंपनी ने पिछले साल बिक्री के मामले में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। पिछले हफ्ते कंपनी ने ऐसी बैटरी लॉन्च की जो पांच मिनट चार्ज करने पर 250 मील की रेंज दे सकती है। इसी तरह पिछले महीने उसने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम ऋक्क्लि२ एटी लॉन्च किया जो टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग फीचर के मुकाबले काफी सस्ता है। यानी यह कंपनी हर मोर्चे पर टेस्ला को टक्कर दे रही है। एक दौर ऐसा भी था जब मस्क इस चीनी कंपनी को कोई भाव देने को तैयार नहीं थे और आज यह सेल्स, इनोवेशन और कीमत के मामले में टेस्ला पर भारी पड़ती दिख रही है। बीवाईडी के उभार से दुनियाभर की कंपनियों की नींद उड़ी हुई है।

इंफोसिस को 32403 करोड़ रुपये के जीएसटी मामले में बड़ी राहत

नई दिल्ली। भारत की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस को 32,403 करोड़ की जीएसटी मामले में बड़ी राहत मिली है। जीएसटी इंटेलिजेंस के महानिदेशक (डीजीजीआई) ने वित्तीय वर्ष 2018 से 2022 तक के लिए इंफोसिस के खिलाफ कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही बंद कर दी है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि यह मामला बंद हो गया है।

पिछले साल जुलाई में जीएसटी अधिकारियों ने कंपनी को 32,403 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा था। आरोप था कि कंपनी ने अपनी विदेशी शाखाओं से से प्राप्त सेवाओं पर रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) का भुगतान नहीं किया। जीएसटी के तहत रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म एक ऐसा सिस्टम है, जहां सप्लायर के बाजाय सामान या सर्विसेज हासिल करने वाले को टैक्स देना पड़ा देता है।

कंपनी ने इस नोटिस का जवाब देते हुए कहा था कि विदेशी शाखाओं से प्राप्त सेवाएं इंपोर्ट ऑफ सर्विसेज की श्रेणी में नहीं आती है इस पर आईजीएसटी लागू नहीं होता। कंपनी ने बताया कि अगस्त 2024 में, डीजीजीआई ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्री-शो कॉज नोटिस की कार्यवाही को बंद कर दिया था। अब, जून 2025 में, शेष सालों के लिए भी कार्यवाही को बंद कर दिया गया है। 6 जून शुक्रवार को इंफोसिस का शेयर बीएसई पर 0.62 प्रतिशत बढ़त के साथ 1564.05 रुपये पर बंद हुआ था। कंपनी की मार्केट पूंजी 6.94 लाख करोड़ रुपये है।

पंजाब नेशनल बैंक ने घटाई ब्याज दर, अब होम और वाहन लोन होंगे सस्ते; ईएमआई में मिलेगी राहत

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तरफ से ब्याज दरों में भारी कटौती के कुछ ही घंटों बाद, सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने शुक्रवार को अपने कर्ज की दरों में 50 बेसिस प्वाइंट यानी 0.50% की कटौती की घोषणा की है। इससे पीएनबी के मौजूदा और नए ग्राहकों को कर्ज सस्ता मिलेगा और ईएमआई में राहत मिलेगी।

पीएनबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'हमारे ग्राहकों के लिए खुशखबरी! ईएमआई अब होगी और भी किफायती। आरबीआई की रेपो रेट में कटौती (6% से घटकर 5.5%) के बाद, पीएनबी ने भी अपनी रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जो 9 जून 2025 से लागू होगी।'इस कटौती के बाद बैंक का होम लोन 7.45% सालाना की दर से शुरू होगा, जबकि वाहन ऋण की दरें 7.80% से शुरू होंगी।

इससे पहले दिन में, आरबीआई ने महंगाई और आर्थिक सुस्ती को ध्यान में रखते हुए, नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) में उम्मीद से ज्यादा 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की। साथ ही, बैंकों के लिए कैश रिजर्व रेशियो (सीआरआर) में भी 1% की कटौती की, जिससे बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध हो गई है।आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में 5-1 से रेपो रेट को घटाकर 5.5% करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही, अब तक 2025 में कुल 1% (100 बेसिस प्वाइंट) की कटौती हो चुकी है झ फरवरी और अप्रैल में भी आरबीआई ने 25-25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की थी।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के बडासू क्षेत्र में केदारनाथ धाम जा रहे एक हेलीकॉप्टर की आपातकालीन लैंडिंग के बाद उसके पास लोग जमा हो गए।

मुख्यमंत्री ने सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन का किया लोकार्पण

सांदीपनी-नवोदय स्कूलों से बनेंगे नए कीर्तिमान : सीएम

संवाददाता ● भोपाल/रतलाम

लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकापर्ण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र मे उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टॉफ क्वार्टरों और 35 करोड़ 11 लाख की लागत से निर्मित

सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क का निर्माण किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। मध्यप्रदेश मे लगभग 55 लाख हैक्टेयर में सिंचाई हो रही है। किसानों को विद्युत के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सोलर पम्प देने की योजना है। इससे किसानों को बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश देश में पर्यटन के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर आ गया है। आलोट में क्षिप्रा-चंबल नदी संगम स्थल पर पर्यटन का विकास किया जाएगा।

शिक्षा ही विकास का आधार

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि यह नवोदय विद्यालय रतलाम में दूसरा है, पहला विद्यालय कालूखेड़ा में स्थित है। नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं। शिक्षा ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। भारत में साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है, जिसमें नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। लगभग 1 करोड़ 53 लाख बच्चे मध्यप्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। राज्य एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से इन विद्यालयों में एआई की पढ़ाई भी प्रारंभ की गई है। स्कूल समाज को मजबूत बनाते है। मध्यप्रदेश की नई पीढ़ी को सशक्त कर प्रदेश को विकसित किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में सर्व-सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से पहचाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालय आलोट में आसपास के 1600 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेंगे, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस विद्यालय में 1 से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

शॉट न्यूज

टेंशन में रह रही महिला ने खुद को लगाई आग हालत गंभीर

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के डोंगर टेमनी गांव में मानसिक तनाव में आई एक 21 वर्षीय महिला ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। महिला की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और वह जिला अस्पताल में ज़िंदगी की जंग लड़ रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता छह माह की गर्भवती थी और कुछ दिन पहले उसका गर्भपात हो गया था। इसके बाद से ही वह गहरे मानसिक तनाव में थी। परिजनों का कहना है कि वह चुपचाप रहने लगी थी, बहुत कम बोलती थी और अक्सर अपने कमरे में अकेली रहती थी। शुक्रवार सुबह महिला ने अचानक पेट्रोल उठाकर खुद पर छिड़का और आग लगा ली। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी, परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया। महिला का शरीर बुरी तरह जल चुका है।

मजदूरी के नाम पर मानव तस्करी, महिला का एक लाख रुपए में किया सौदा

छिंदवाड़ा। एमपी पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह उड़ीसा से एक महिला को मजदूरी का लालच देकर लाया था। फिर उसे सिंगोड़ी के एक गांव में एक लाख रुपए में बेच दिया गया। पुलिस ने इस मामले में उड़ीसा, नरसिंहपुर और छिंदवाड़ा जिले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता को उसके परिवार के पास भेज दिया गया है। यह घटना 1 मई को छिंदवाड़ा में हुई। सिंगोड़ी पुलिस चौकी के इंचार्ज पंकज राय ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 मई की रात को महेन्द्रवाड़ा के पास एक महिला संदिग्ध हालत में घूम रही थी। वह ठीक से हिंदी भी नहीं बोल पा रही थी। पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। इसलिए महिला को तुरंत वन स्टॉप सेंटर भेजा गया। वन स्टॉप सेंटर में काउंसलिंग के बाद महिला की पहचान हुई।

रात को पत्नी से फोन कर पूछा रस्सी कहां रखी है...

भोपाल। राजधानी भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह पत्नी ने बार-बार युवक को फोन मिलाया, लेकिन उसने जवाब नहीं दिया। उसके बाद पत्नी ने पड़ोसी को कॉल कर अपने पति का हाल जानने को कहा। पड़ोसी ने खिड़की से झांका तो युवक फंदे पर लटका मिला। खास बात यह है कि मृतक ने घटना की रात पत्नी से फोन पर रस्सी के बारे में जानकारी ली थी। पत्नी को यह अंदेशा नहीं था कि वह आत्मघाती कदम उठाएगा। निशातपुरा थाना पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय ओमप्रकाश मेहर के रूप में हुई है, जो मूल रूप से ग्राम कोलूखेड़ी जिला सीहोर का रहने वाला था।

जहर का घोल, धोखे का खेल और पत्नी की साजिश

फिर भी मरते-मरते बच गया पति

संवाददाता ● भोपाल

जांच

मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के बेगमगंज से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिसने पति-पत्नी जैसे पवित्र रिश्ते को सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। यहां एक पत्नी ने अपने ही पति को जहर देकर मारने की कोशिश की। किस्मत से पति की जान बच गई। समय पर इलाज मिलने से आज वह खुद अपनी दर्दनाक कहानी दुनिया को बता रहा है। घटना भुरेरू गांव निवासी रघुराज राजपूत की है, जो अपनी पत्नी सोनाली राजपूत को उसके साढ़ू भाई के घर छोड़ने गए थे। वहां उन्हें चाय-बिस्कुट और पानी में मिलाकर जहर दे दिया गया। रघुराज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि जिसे वह अपना जीवनसाथी मानते हैं, वह ही उनकी जान की दुश्मन बन जाएगी। साढ़ू के घर से लौटते वक्त रघुराज की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टियां होने लगीं और वह रास्ते में बेहोश होकर गिर पड़े। राहगीरों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें सागर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों की तत्परता से उनकी जान बच गई। पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रघुराज का कहना है कि उनकी पत्नी सोनाली हर महीने अपनी बहन के घर

जाने की जिद करती थी। उन्हें शक है कि सोनाली अपनी बहन के जेठ के साथ रहना चाहती थी, जिससे उनके रिश्ते में दरार आ गई थी। बताया जा रहा है कि रघुराज और सोनाली की शादी 27 जून 2020 को जबलपुर में हुई थी। उनके दो मासूम बेटियां भी हैं। लेकिन अब इस रिश्ते में जो जहर घोला गया, उसने न सिर्फ एक इंसान को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाया, बल्कि समाज को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या अब रिश्तों में भरोसा बचा है? फिलहाल बेगमगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

ऑटो ने स्कूटी सवारों को ठोंका, तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी में एक सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की जान चली गई। यह हादसा अरी थाना क्षेत्र में हुआ। एक तेज रफ्तार ऑटो ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी। स्कूटी पर सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर ऑटो और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। यह दुखद घटना सिवनी मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर खमरिया-काठी गांव के बीच हुई। जानकारी के अनुसार, ऑटो बहुत तेज गति से चल रहा था। इसी वजह से उसने

स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी पर सवार युवकों को संभलने का मौका भी नहीं मिला। पुलिस के अनुसार तीनों युवक स्कूटी पर रैयतवाड़ी गांव से अरी की ओर जा रहे थे। उनकी स्कूटी का नंबर एमपी 22 एसबी 1427 था। खमरिया गांव के पास सामने से आ रहे ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। ऑटो का नंबर एमपी 50 जेडडी 7679 था। इस हादसे में अविनाश भलावी, अरविंद भालेकर और रोहित कुमरे नामक युवकों की मौत हो गई। अविनाश नयेगांव का रहने वाला था, जबकि अरविंद और रोहित रैयतवाड़ी गांव के निवासी थे।

कहां गायब हो गए ये इसकी जांच में जुटी सरकार

एमपी में 50 हजार कर्मचारियों ने छह महीने से नहीं ली सैलरी

संवाददाता ● भोपाल

रिपोर्ट

मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के वेतन भुगतान को लेकर बड़ा प्रशासनिक मामला सामने आया है। प्रदेश में नियमित और अस्थायी मिलाकर करीब 50 हजार अधिकारी-कर्मचारियों का वेतन बीते छह माह से कोषालय से आहरित नहीं हुआ है। ये सभी कर्मचारी दिसंबर 2024 से वेतन नहीं ले रहे, जबकि इनका रिकॉर्ड कोषालय में मौजूद है और प्रत्येक को कर्मचारी कोड आवंटित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि ये कर्मचारी आखिर कहां हैं और क्या कार्य कर रहे हैं? इस संदर्भ में आयुक्त कोष एवं लेखा भास्कर लक्षकार ने सभी छह हजार आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (DDO) से रिपोर्ट मांगी है। यह रिपोर्ट 15 जून तक जिला कोषालयों के माध्यम से एकत्र की जाएगी, जिससे यह स्थिति स्पष्ट होगी कि इन कर्मचारियों के वेतन आहरण में देरी के पीछे क्या कारण हैं।

आखिर क्यों नहीं निकला वेतन?

वित्त विभाग की एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (IFMS) में सभी कर्मचारियों का विवरण डिजिटल रूप में दर्ज है। हर कर्मचारी का वेतन उनके आधार से लिंक बैंक खाते में सीधे अंतरित होता है। जब दिसंबर 2024 के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि लगभग 50 हजार कर्मचारियों का वेतन आहरित ही नहीं हुआ है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह अनियमितता नहीं बल्कि तकनीकी या प्रशासनिक कारण हो सकते हैं। कई कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं, कुछ सेवानिवृत्त हो चुके होंगे, निलंबन अवधि या मृत्यु जैसी स्थितियों में भी वेतन नहीं बनता। फिर भी, इन सभी तथ्यों का अद्यतन होना आवश्यक है, ताकि भविष्य में भ्रम या घोटाले की स्थिति उत्पन्न न हो।

सुनियोजित घोटाले का आरोप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले को सुनियोजित वेतन घोटाला करार दिया है। उन्होंने कहा कि 50 हजार कर्मचारियों का वेतन नहीं निकलना केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि एक बड़े भ्रष्टाचार की ओर संकेत है। उनके अनुसार, छह माह से लगभग 250 करोड़ रुपये का वेतन लंबित है और अगर पूर्व की स्थिति भी देखी जाए, तो यह राशि 12,500 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। पटवारी ने आरोप लगाया कि कहीं न कहीं कर्मचारियों के नाम पर घोटाला किया गया है। हो सकता है कि ऐसे नामों के आधार पर भुगतान की प्रक्रिया चालू हो, जिनकी सेवा समाप्त हो चुकी है या जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। आयुक्त कोष एवं लेखा ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत सभी DDO से रिपोर्ट तलब की है। अब प्रत्येक जिला कोषालय अपने क्षेत्र के कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति की जांच करेगा।

मामूली विवाद बना बड़ा मामला, महिला को मार दी गोली

फसल की डस्ट उड़ने को लेकर खूनी संघर्ष

संवाददाता ● छतरपुर

मामला

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मामूली विवाद के चलते कुछ दबंगों ने एक विधवा महिला को गोली मार दी। यह सनसनीखेज वारदात राजनगर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव की है। गोली लगने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, विक्रमपुर गांव की रहने वाली 38 वर्षीय जयंती यादव का गांव में ही रहने वाले कुछ दबंग लोगों से पुराना विवाद चल रहा था। कुछ महीने पहले भी जयंती ने इन आरोपियों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था।

बताया जा रहा है कि उसी रंजिश के चलते आरोपियों ने महिला से दुश्मनी पाल रखी थी। घायल जयंती का कहना है कि शुक्रवार की शाम को रामपाल, रवि, जन्टू और उनके कुछ अन्य साथी एकजुट होकर उसके घर के बाहर पहुंचे। आते ही उन्होंने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। मामला बढ़ा तो आरोपियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान, पीछे से किसी ने फायरिंग कर दी और गोली जयंती के पैर में जा लगी। गोली लगते ही जयंती यादव दर्द से चीख पड़ी। परिजनों और गांव के अन्य लोगों ने उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक महिला की हालत फिलहाल स्थिर है लेकिन कुछ दिन अस्पताल में निगरानी में रखा जाएगा। घायल महिला जयंती यादव विधवा है और कुछ साल पहले उसके पति की मृत्यु हो चुकी है। जयंती का आरोप है कि जिन लोगों ने उस पर हमला किया वे लंबे समय से उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। आरोपियों पर पहले भी मारपीट और धमकी देने जैसे आरोप लग चुके हैं। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इंजीनियर ठेके पर करवाता रहा लग्जरी कारों से चोरी

संवाददाता ● भोपाल

आपने कभी चोरी के लिए ठेके पर चोर बुलाने के बारे पढ़ा या सुना है। ये सुनने में अवश्य अटपटा लग सकता है, लेकिन हमारे देश के एक प्रदेश में ऐसा हुआ है। यहां चोरी के लिए ठेके पर चोरों को बुलाया जाता था। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कोलार पुलिस ने एक ऐसे ही गैंग का खुलासा किया है। इसका गैंग का मास्टरमांइड एक इंजीनियर है, जिसका नाम अभिलाष विश्वकर्मा है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गैंग के मास्टरमाइंड अभिलाष विश्वकर्मा, यशवंत रघुवंशी और भूपेंद्र साहू के रूप में हुई है। तीनों को भोपाल, विदिशा और छिंदवाड़ा से पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी इंजीनियर अभिलाष विश्वकर्मा तेलंगाना से शातीर चोरों को बुलवाता और उनको ठहराता। लग्जरी कार से चोरी की जगहों की जानकारी देता। इसके बाद चोर तीन दिन में चोरी करके भाग जाते थे। बताया जा रहा है कि ये गैंग चोरी किए हुए सोने को मंडीदीप स्थित मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखता और फिर लोन लेकर ट्रेडिंग में इन्वेस्ट करता था। अब तक 60 लाख के लेन-देन की बात समाने आई है। 40 लाख की कीमत का गोल्ड फ्रीज किया गया है। पुलिस ने इस गैंग से 22 लाख रुपए का सोना और दो कारें जब्त की हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी मार्च के महीने में श्रीलंका और उससे पहले फरवरी महीने में थाईलैंड सैर करने गए थे। अब तक 1.50 करोड़ की चोरी की बात पता चली है।

बाकी जगह सताएगी उमस

भोपाल, जबलपुर जिलों में हो सकती है बारिश

संवाददाता ● भोपाल

बारिश

दक्षिण-पश्चिम मानसून एक सप्ताह से मुंबई के आसपास ही स्थिर बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार हवाओं के साथ कुछ नमी आने से प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश हो रही है। हालांकि अब दिन के तापमान में भी बढ़ोतरी होने लगी है। अब तीन-चार दिन तक उमस भी रेशान करेगी।

भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। उधर, शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रायसेन में छह, इंदौर में दो मिलीमीटर वर्षा हुई। सबसे अधिक 40.7 डिग्री सेल्सियस तापमान गुना में रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, बालुरघाट से होकर ही गुजर रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान एवं उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। दक्षिण-मध्य महाराष्ट्र से कर्नाटक, तेलंगाना से होते हुए तटीय आंध्र प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। हवाओं के साथ कुछ नमी आने के कारण अलग-अलग स्थानों पर छिटपुट बारिश हो रही है।

नेहा कक्कड़ ब्रेकअप के बाद डिप्रेशन में गईं

गाने के प्रमोशन के लिए फैलाई प्रेग्नेंसी की झूठी

नेहा कक्कड़ आज बॉलीवुड की जानी-मानी सिंगर हैं। उन्होंने सेकेंड हैंड जवानी, काला चश्मा और बद्री की दुल्हनिया जैसे हिट गाने बॉलीवुड को दिए हैं। बिना किसी गॉडफादर के म्यूजिक की दुनिया में अपना नाम कमाना उनके लिए कभी भी आसान नहीं रहा। अपने परिवार के साथ कभी एक कमरे के मकान में रहने वालीं नेहा ने कई रातें माता के जगरातों में भक्ति गीत गाए हैं। इसके लिए उन्हें सिर्फ 500 रुपए मिलते थे। जैसे-तैसे परिवार का गुजारा चलता था, लेकिन एक दिन उन्होंने मुंबई आने का फैसला किया और सालों के संघर्ष के बाद उन्हें पहचान मिली। नेहा को प्यार में धोखा भी मिला और शादी के बाद उनका नाम विवादों से भी जुड़ा। इतना ही नहीं, अपनी हाइट, कपड़ों, आवाज और वजन के कारण भी उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। नेहा कक्कड़ का बचपन बेहद गरीबी में बीता। ऋषिकेश में जैसे-तैसे उनका गुजारा हुआ करता था। परिवार के साथ एक कमरे के किराए के घर में रहती थीं। गरीबी का आलम ऐसा था कि इनके घर में किचन तक नहीं था। ऐसे में मां ने कमरे में ही एक टेबल रखकर उसे किचन बना लिया। दो साल की उम्र में ही नेहा का पूरा परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया था। परिवार का गुजारा चलाने के लिए उनके पिता स्कूल के बाहर समोसे बेचा करते थे, जहां उनकी बहन सोनू कक्कड़ पढ़ती थीं। इस वजह से नेहा की बहन को स्कूल में उनके क्लासमेट काफी चिढ़ाते थे। शर्मिंदगी होने पर सोनू ने अपना स्कूल बदल लिया था। परिवार की आर्थिक हालत इतनी खराब थी कि उन्हें जगरातों में गाकर गुजारा करना पड़ता था। शुरुआत में सिर्फ नेहा की बड़ी बहन सोनू पिता के साथ जगरातों में जाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे नेहा और उनके भाई टोनी कक्कड़ भी शामिल हो गए। नेहा ने महज 4 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। एक जगराते के बदले परिवार को सिर्फ 500 रुपए मिलते थे, जिससे घर चलाना बेहद मुश्किल होता था। नेहा अपने छोटे भाई टोनी कक्कड़ के साथ साल 2004 में मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्होंने कई बार सिंगिंग कॉम्पिटिशन के लिए ऑडिशन दिया, लेकिन हर बार उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। इसके बाद भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और फिर साल 2006 में इंडियन आइडल के दूसरे सीजन में हिस्सा लेने का मौका मिला। नेहा टॉप-12 कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में शामिल भी थीं, लेकिन उन्हें शुरुआत में ही एलिमिनेट कर दिया गया। इस सीजन में संदीप आचार्य विजेता रहे थे। आज नेहा खुद इंडियन आइडल शो में बतौर जज नजर आती हैं।

नेटफ्लिक्स और बालाजी टेली फिल्म्स का रचनात्मक सहयोग

भारतीय कहानियाँ अब नए दर्शकों तक पहुंचेगी

नेटफ्लिक्स और एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड ने भारतीय कहानियों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक दीर्घकालिक और रचनात्मक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत दोनों कंपनियां विभिन्न फॉर्मेट्स में कई रोचक और मनोरंजक प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगी। एकता कपूर, जिन्हें पद्मश्री और इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है, भारतीय मनोरंजन जगत की एक प्रमुख हस्ती रही हैं। उन्होंने सिनेमा, टेलीविज़न और हाल के वर्षों में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर भी दर्शकों के दिलों को छूने वाली कहानियाँ दी हैं। दर्शकों की पसंद और सामाजिक-सांस्कृतिक भावनाओं की गहरी समझ हमेशा से उनकी पहचान रही है।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट वाइस-प्रेसिडेंट मोनिका शेरगिल ने कहा, "एकता ने भारतीय मनोरंजन को ऐसे किरदार और कहानियाँ दी हैं जो पॉप-कल्चर का हिस्सा बन चुकी हैं वो भी उस दौर में जब हैशटैग नहीं थे। उनकी रचनात्मक दृष्टि और दर्शकों की नब्ज को समझने की कला उन्हें सबसे अलग बनाती है। नेटफ्लिक्स पर हमारा उद्देश्य विविध तरह के दर्शकों को बेहतरीन कंटेंट देना है और यह सहयोग एक नई, रोमांचक रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है।" बालाजी टेलीफिल्म्स की जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, एकता कपूर ने कहा, "बालाजी में हमारी कहानी कहने की परंपरा सिनेमा, टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक फैली हुई है। नेटफ्लिक्स जैसे वैश्विक स्तर के कहानी कहने वाले मंच के साथ साझेदारी करना हमारे लिए एक बड़ा अवसर है। यह सहयोग हमें ऐसी कहानियाँ लाने का मौका देगा जो सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हों, भावनात्मक रूप से गूंजती हों और वैश्विक दर्शकों से जुड़ सकें। यह एक नया अध्याय है जहाँ हम रचनात्मक सीमाओं को और आगे ले जाने के लिए तैयार हैं।" गौरतलब है कि बालाजी और नेटफ्लिक्स पहले भी 'कटहल', 'पगलैट', 'जाने जान' और 'डॉली किटी और वो चमकते सितारे' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इस नई साझेदारी की शुरुआत एक अनटाइटल्ड सीरीज़ से होगी, जो अब अपने उन्नत विकास चरण में है। यह सहयोग बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के अंतर्गत आने वाली इकाइयों बालाजी मोशन पिक्चर्स और बालाजी टेलीफिल्म्स डिजिटल के जरिये किया जाएगा। यह भागीदारी भारतीय मनोरंजन को एक नई दिशा देने और स्ट्रीमिंग दर्शकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई कहानियाँ प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शनाया-विक्रांत की 'आंखों की गुस्ताखियां' का टीजर रिलीज

एक्ट्रेस शनाया कपूर का फाइनली बॉलीवुड डेब्यू होने जा रहा है। उनकी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का ऑफिशियल टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में एक अलग टाइप की लव स्टोरी दिखाई गई है। इसमें उनकी जोड़ी बॉलीवुड के टैलेंटेड एक्टर्स में से एक विक्रांत मैसी के साथ बनी है। एक्टर विक्रांत मैसी पिछली कुछ फिल्मों में अपनी दमदार परफॉरमेंस के जरिए फैंस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। '12वीं

फेल' फिल्म से लाइमलाइट में आए विक्रांत अपने गोल्डन पीरियड में चल रहे हैं। उनकी फिल्में फैंस को पसंद भी आ रही हैं। अब एक्टर की नई फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' भी जल्द रिलीज होने वाली है जिससे शनाया कपूर भी अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाली हैं। हाल ही में फिल्म का एक ऑफिशियल पोस्टर जारी किया गया था जिसमें विक्रांत और शनाया की दमदार केमिस्ट्री दिखाई गई थी। अब इसका टीजर भी रिलीज हुआ है जिससे फिल्म की कहानी का थोड़ा बहुत अंदाजा लगाया जा सकता है। टीजर की शुरुआत में विक्रांत और शनाया के किरदारों से मिलवाया जाता है। जहां विक्रांत की आंखों पर काला चश्मा, तो वहीं शनाया ने काली पट्टी बांधी होती है। ये सिलसिला लगभग पूरे टीजर में जारी रहता है। इस दौरान हमें कहानी का कुछ हिंट भी दिया जाता है। टीजर में शनाया विक्रांत को नहीं देख पाती हैं, वहीं विक्रांत भी शनाया की आंखों को नहीं देख पाते हैं। दोनों की लव स्टोरी एक तरह से आंख-मिचोली खेलती रहती है।

जब ऐश्वर्या राय पर लगा था सीक्रेट अफेयर का आरोप

लव ट्रायंगल में फंस गई थीं एक्ट्रेस

90 के दशक में बॉलीवुड में जितने ज्यादा एक्टर्स आए उतने ही लव स्कैंडल भी हुए। अफेयर की अफवाहों से लेकर सीक्रेट वेडिंग तक, एक्टर और एक्ट्रेस अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहते थे। आज हम आपको ऐश्वर्या राय, मनीषा कोइराला और राजीव मूलचंदानी से जुड़े एक ऐसे विवाद के बारे में बताएंगे, जिसे आज भी सबसे सनसनीखेज लव ट्राएंगल में से एक माना जाता है। उस समय मनीषा कोइराला एक मशहूर मॉडल राजीव मूलचंदानी के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि, उनके रिश्ते में तब चौंकाने वाला मोड़ आया जब मनीषा कोइराला ने राजीव मूलचंदानी पर ऐश्वर्या राय के साथ सीक्रेट अफेयर होने का आरोप लगाया। मनीषा कोइराला ने उस समय दावा किया था कि उन्हें राजीव मूलचंदानी के लिखे लव लेटर्स मिले थे जो उन्होंने ऐश्वर्या राय के लिए लिखे थे। पूर्व मिस वर्ल्ड इन आरोपों से बहुत दुखी थीं। घटना को याद करते हुए, उन्होंने एक बार कहा था,'मैं पागलों की तरह रोई थी। मेरे आस-पास जो कुछ भी हो रहा था, उससे मैं वाकई बहुत दुखी थी।' ऐश्वर्या राय ने यह भी बताया कि वह 1995 की फिल्म बॉम्बे में मनीषा कोइराला की एक्टिंग से काफी ज्यादा प्रभावित हुई थीं और उनकी तारीफ करने वाली थीं। हालांकि, जब अभिनेत्री ने उन्हें इस तरह के विवाद में शामिल किया तो उनका निर्णय जल्द ही बदल गया। ऐश्वर्या राय ने कहा,'1 अप्रैल को राजीव ने मुझे फोन किया और मैंने उत्साह से उन्हें बताया कि मैं मनीषा के अभिनय की कितनी प्रशंसा करती हूं। तभी उन्होंने हंसते हुए पूछा कि क्या मैं अखबार पढ़ रही थी। उन्होंने मुझे बताया कि मनीषा ने दावा किया है कि उन्हें मेरे लिए लिखे गए प्रेम पत्र मिले हैं। मुझे यकीन नहीं हुआ! यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था।' ऐश्वर्या राय ने भी इस बात पर सवाल उठाया और आरोपों के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मनीषा कोइराला और राजीव मूलचंदानी का ब्रेकअप अफेयर की अफवाहों की वजह से हुआ था, तो इस मामले को सामने लाने में नौ महीने की देरी क्यों हुई? ऐश्वर्या राय ने यह भी बताया कि जब मनीषा कोइराला से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपना बचाव करते हुए दावा किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

'हीरो के रोल में क्या होता है', बॉबी देओल ने बताया लोगों को...

करियर की शुरुआत में बॉबी देओल को रोमांटिक फिल्मों में सफलता मिली। इसके बाद लगातार कई फिल्मों में उन्होंने रोमांटिक हीरो के पात्र निभाए, तो वही छवि बन गई। लंबे समय बाद जब उन्होंने फिल्मों में वापसी की तो यह तय कर लिया था कि गलतियों के दोहराव से बचना है। आश्रम और एनिमल के बाद दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी बॉबी निगेटिव रोल निभा चुके हैं। अब बॉबी की पूरी कोशिश है कि वह किसी भी प्रकार के टाइपकास्ट से बचें। अभिनेता ने कहा कि वह चाहते हैं कि नए पात्रों में दिखे उनका अलग अंदाज ऑडियंस को देखने के लिए मिले। इसके अलावा बॉबी ने फिल्मों में संघर्ष के बारे में भी बात की। बॉबी ने कहा, 'हर कलाकार का अपना संघर्ष होता है। हम सभी अलग रोल करना चाहते हैं, लेकिन वैसे रोल मिल ही जाएं, ऐसा जरूरी नहीं। यह सच है कि हमारी इंडस्ट्री में टाइपकास्ट बहुत आसानी से कर दिया जाता है। आप ये सोचकर इंडस्ट्री में कदम रखते हैं कि हर तरह के रोल करूंगा, लेकिन वो नहीं हो पाता। बॉबी को खलचरित्रों के माध्यम से बतौर कलाकार स्वयं को एक्सप्लोर करने का अवसर मिला। इसका श्रेय बॉबी डिजिटल प्लेटफार्म को देते हैं। वह कहते हैं कि ओटीटी ने हम सब कलाकारों को ही मौका नहीं दिया, बल्कि निर्देशकों, लेखकों, तकनीशियनों को मौका दिया है। बाकी मैं हर रोल के साथ कितना अलग दिख रहा हूं, इस पर मैं स्वयं बहुत ध्यान देता हूं। लोग सोचते हैं कि कलाकारों की जिंदगी बहुत आरामदायक होती है, सेट पर लोग आगे पीछे होते हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है। वास्तविक लोकेशन पर शूटिंग होती है तो वहां का जो भी मौसम होता है, उसमें ढलकर आपको संवाद बोलने होते हैं। जब आप अपना काम खत्म करके मॉनिटर पर देखते हैं और काम अच्छा होता है तो खुशी मिलती है। मैं ध्यान रखता हूं कि भले ही निगेटिव रोल हो, लेकिन वैसा पात्र मैंने पहले न किया हो। आगामी दिनों में बॉबी तेलुगु फिल्म हरी हर वीरा मल्लू पार्ट 1- स्वोर्ड वर्सेस स्पिरिट फिल्म में नजर आएंगे।

हारने के तीन दिन बाद प्रीति ने लिखा इमोशनल पोस्ट

आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हरा दिया था। हार के तीन दिन बाद टीम की को ओनर और एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अपना रिएक्शन दिया है। प्रीति ने सोशल मीडिया पर टीम की जर्नी और खिलाड़ियों की तारीफ में लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। पोस्ट में प्रीति ने कहा कि फाइनल वैसे नहीं समाप्त हुआ जैसा वह चाहती थीं, लेकिन जर्नी शानदार थी। पंजाब किंग्स के सभी प्लेयर्स की तस्वीर के साथ वो लिखती हैं- 'यह उस तरह से समाप्त नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे, लेकिन यात्रा शानदार रही! यह एक्साइटिंग, एंटरटेनिंग और इंस्पायरिंग थी। मुझे हमारी युवा टीम, हमारे शेरों ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष और धैर्य दिखाया, वह बहुत पसंद आया। मुझे यह बहुत पसंद आया कि किस तरह हमारे कप्तान, हमारे सरपंच ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और किस तरह भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों ने इस आईपीएल में अपना दबदबा बनाया। यह साल अनोखा रहा। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े। नेशनल ड्यूटी के कारण प्रमुख खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से जाना पड़ा। नेशनल ड्यूटी करते हुए हमारे कई मुख्य प्लेयर्स घायल हो गए और हम हार गए, लेकिन फिर भी रिकॉर्ड कायम कर लिया। मुझे पंजाब किंग्स के हर प्लेयर पर गर्व है, क्योंकि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में जान डाल दी। आज हम जहां भी पहुंचे हैं, वह सिर्फ आपकी वजह से हो पाया है। मैं वादा करती हूं की इस जॉब को खत्म करने के लिए हम वापस जरूर लौटेंगे, अभी तक काम अधूरा है।'बता दें कि प्रीति की टीम पंजाब किंग्स 18 साल में एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। ये दूसरी बार था, जब उनकी टीम फाइनल में पहुंची थी। इस पूरे सीजन पंजाब किंग्स ने उम्दा प्रदर्शन किया था और माना जा रहा था कि इस बार टीम चैंपियन बनेगी। हालांकि, आरसीबी ने पंजाब को हरा 18 साल में अपना पहला आईपीएल ट्रॉफी जीत लिया।

अभिषेक बच्चन ने 'हाए गर्मी' का किया हुक स्टेप

नोरा फतेही के 'हाए गर्मी' गाने के हुक स्टेप को आज भी हर कोई फॉलो करता है। हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अभिषेक बच्चन फर्श पर लेटकर नोरा की स्टाइल में 'हाए गर्मी' का हुक स्टेप करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर अमिताभ बच्चन ने भी रिएक्शन दिया है। फिल्म 'हाउसफुल 5' का गाना 'लाल परी' इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इसी बीच मेकर्स ने 'लाल परी' गाने का एक मजेदार बीटीएस (बिहाइंड द सीन) वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभिषेक बच्चन फर्श पर लेटकर नोरा फतेही के अंदाज में 'हाए गर्मी' गाने का हुक स्टेप करते नजर आ रहे हैं। जैसे ही अभिषेक का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया तो फैंस से लेकर उनके पिता अमिताभ बच्चन ने भी इस पर अपना रिएक्शन दिया। बिग बी ने इस वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, 'टी 5402.. हाहाहा.. यह कितना मजेदार है। इसके बाद यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा, 'यह सब देखकर जया बच्चन जी को तो बहुत गुस्सा आ रहा होगा 'हैप्पी न्यू ईयर' फिल्म में अभिषेक बच्चन को देखकर थप्पड़ मारने की बात बोल रही थीं।', इसके अलावा कई और लोगों ने अभिषेक की तारीफ भी की। फिल्म 'हाउसफुल 5' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अलग-अलग क्लाइमेक्स हैं। दर्शकों को ये दोनों क्लाइमैक्स देखने के लिए फिल्म दो बार देखनी पड़ेगी। 'हाउसफुल 5' को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है, जबकि तरुण मनसुखानी डायरेक्टर हैं।

कैंसर से जूझ रही हिना शादी में हुईं भावुक

टेलीविजन सुपरस्टार हिना खान ने 4 जून को अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ कई तस्वीरें शेयर करके प्रशंसकों को चौंका दिया था। शादी के कुछ दिनों बाद, उन्होंने शुक्रवार 6 जून को अपनी शादी का पहला वीडियो शेयर कर सभी को इमोशनल कर दिया है, जिसमें वह शादी के कागजात पर हस्ताक्षर करने से पहले भावुक होती दिखीं। कैंसर से जूझ रही हिना खान ने इस वीडियो में अपने पति के बारे में भी बात की। सोशल मीडिया पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम हिना खान ने इस वीडियो को इमोशनल नोट के साथ शेयर किया है। टीवी एक्ट्रेस की रजिस्टर्ड मैरिज के खास पलों की झलकियां अब खूब वायरल हो रही हैं। वीडियो में, हिना खान ने स्टेज 2 ब्रेस्ट कैंसर से अपनी लड़ाई के दौरान अपनी खामियों को स्वीकार करने और उनके साथ खड़े रहने के लिए रॉकी का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह एक प्रतिज्ञा नहीं है, यह एक भावना और प्यार का रिश्ता है। प्यार पाना खूबसूरत है, लेकिन मेरे कमियों के साथ मुझे गले लगाने वाला सिर्फ ये शख्स है... मुझे नहीं पता कि कल क्या होने वाला है। मेरी सभी खामियों के साथ, मुझे स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। तुम मेरे लिए इस दुनिया का सबसे बड़ा आशीर्वाद हो। बहुत-बहुत धन्यवाद।' इमोशंस से भरी हिना को वीडियो में आंसू रोकते हुए देखा जा सकता है।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष का इस्तीफा; बंगलूरू भगदड़ मामले की नैतिक जिम्मेदारी ली

एजेंसी ● बंगलूरू

बंगलूरू में हुर्द भगदड़ के बाद विवादों में घिरे कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से बड़ी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक, ए. शंकर और ईएस जयराम ने केएससीए के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरसीबी के आईपीएल ट्रॉफी समारोह के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी।एक संयुक्त बयान में शंकर और जयराम ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात को केएससीए अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया, 'पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की वजह से हम यह बताना चाहते हैं कि हमने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, हमारी भूमिका बहुत सीमित थी।'

इससे पहले केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी कि गेट प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन संघ की जिम्मेदारी नहीं थी। उन्होंने विधान सौधा में आरसीबी आईपीएल समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। विधान सौध में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर अनहोनी हो गई, जहां आरसीबी के सोशल मीडिया आमंत्रण के बाद लाखों लोग एकत्र हुए, जिसे बाद में हटा दिया गया। इस वजह से विजय परेड को रद्द करना पड़ा, लेकिन स्टेडियम के अंदर समारोह जारी रहा। बावजूद इसके कि बाहर इतना बड़ा हादसा हो गया।अनुमति के लिए भेजे गए केएससीए के पत्र के मुताबिक, मेसर्स डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से केएससीए यह सूचित करने का अनुरोध करता है कि अगर तीन जून 2025 को आईपीएल फाइनल के बाद अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु खिताब जीतता है तो मेसर्स डीएनए

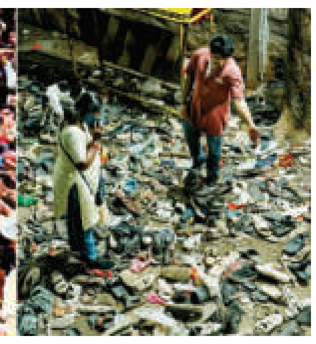

एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड विधान सौधा ग्रैंड स्टेप्स में सम्मान समारोह की योजना बनाएगा। महासंघ ने राज्य सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को जारी पत्र में लिखा है कि केएससीए अनुरोध करता है कि मेसर्स डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को विधान सौधा ग्रैंड स्टेप्स पर आवश्यक व्यवस्था करने की अनुमति दी जाए। केएससीए ने राज्य हाईकोर्ट में दलील दी है कि उसके पदाधिकारियों को किसी भी तरह की गलती के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। वे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं है। संस्था ने अपनी रिट याचिका में कहा, 'आईपीएल कार्यक्रम आरसीबी की ओर से अपने सेवा प्रदाता मेसर्स डीएनए नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं और केएससीए की भूमिका बहुत सीमित है। केएससीए आयोजन स्थल और बुनियादी ढांचे उसे सौंपता है। पुलिस ने बिना किसी प्रारंभिक जांच के अत्यधिक दबाव और मजबूर करने वाली परिस्थितियों में याचिकाकर्ता/केएससीए के सदस्यों को आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज की है।केएससीए पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एसआर कृष्ण कुमार ने अगली सुनवाई तक पुलिस को पदाधिकारियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। अदालत ने याचिकाकताओं को जांच में पूरा सहयोग करने का भी निर्देश दिया। एफआईआर रद्द करने की याचिका पर 16 जून को फिर सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने भी इस दुखद घटना का स्वतः संज्ञान लिया है और राज्य सरकार से ह्यस्टेटस रिपोर्टह्व दाखिल करने को कहा है। इस पर 10 जून को सुनवाई होगी।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से आईपीएल का खिताब जीतने के बाद बंगलूरू में जश्न मनाया जा रहा था। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी। हादसे में 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भगदड़ के बावजूद स्टेडियम के अंदर कार्यक्रम जारी रखने को लेकर आयोजकों को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा है। स्टेडियम के बाहर लाखों लोग आरसीबी के सोशल मीडिया आमंत्रण के बाद एकत्र हुए थे। इस आमंत्रण को हालांकि बाद में हटा दिया गया था। अत्यधिक भीड़ के कारण रोड शो को रद्द कर दिया गया, लेकिन स्टेडियम के अंदर समारोह जारी रहा। विधान सौधा में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर अराजकता फैल गई।

भारत ए ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक बनाए 319/7, राहुल का शतक; जुरेल ने जड़ा पचासा

एजेंसी ● नॉर्थम्पटन

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के शतक और ध्रुव जुरेल के अर्धशतक की मदद से भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में सात विकेट पर 319 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय तनुष कोटियान पांच और अंशुल कंबोज एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड लायंस की ओर से क्रिस वोक्स ने तीन, जॉर्ज हिल ने दो, फरहान अहमद और टॉम हेन्स ने एक-एक विकेट लिया है। इंग्लैंड लायंस ने भारत ए को शुरूआती झटके दिए थे, लेकिन राहुल ने पहले करुण नायर और फिर जुरेल के साथ मिलकर पारी को संभाला। चायकाल के बाद पहले राहुल ने शतक पूरा किया और फिर जुरेल ने अर्धशतक लगाया। हालांकि, अर्धशतक लगाने के बाद जुरेल को जॉर्ज हिल ने बोल्ड किया। जुरेल 87 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। हिल ने जुरेल और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 121 रनों की साझेदारी को तोड़ा। इसके कुछ देर बाद ही केएल राहुल भी पवेलियन लौट गए। राहुल को भी हिल ने अपना शिकार बनाया। राहुल 168 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 116 रन बनाकर आउट हुए। नए बल्लेबाज के रूप में उतरे शार्दुल ठाकुर भी प्रभावित नहीं कर सके और 19 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी को टॉम हेन्स ने बोल्ड किया जो 57 गेंदों पर 34 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इससे पहले, इंग्लैंड लायंस ने भारत ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच के पहले दिन टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ए को यशस्वी जायसवाल और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में शुरूआती झटके लगे। इसके बाद करुण और राहुल ने भारत ए की पारी को संभाला और लंच ब्रेक तक कोई और विकेट गिरने नहीं दिया। केएल राहुल और नायर के बीच तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई जिसे क्रिस वोक्स ने नायर को आउट कर तोड़ा। वोक्स ने नायर को एलबीडब्ल्यू आउट किया जो अर्धशतक लगाने से चूक गए। नायर 71 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए।

वोक्स ने दिए भारत को शुरूआती झटके

राहुल और नायर की सधी हुई बल्लेबाजी से भारत ने लंच ब्रेक तक दो विकेट पर 75 रन बनाए थे। दूसरे सत्र में वोक्स एक बार फिर सफलता हासिल करने में सफल रहे और उन्होंने राहुल और नायर के बीच पनप रही साझेदारी को तोड़ा। वहीं, लंच से पहले बारिश के कारण भी खेल को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा था। भारत के लिए इस मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी का आगाज करने उतरे। यशस्वी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन क्रिस वोक्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट होकर पवेलियन लौट गए। भारत ने इस तरह 28 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया।

राहुल-यशस्वी ने की ओपनिंग

पिछले मैच में यशस्वी और अभिमन्यु ईश्वरन ने पारी की शुरूआत की थी। आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद केएल राहुल भारत ए टीम से जुड़े और उन्होंने यशस्वी के साथ ओपनिंग की। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 28 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी 26 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद वोक्स ने अभिमन्यु को बोल्ड कर भारत ए को दूसरा झटका दिया दो 13 गेंदों पर 11 रन ही बना सके। भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी ● लंदन

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरूआत करेगी। भारत इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उतरेगी जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर वीडियो शेयर किया है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद हैं।भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरूआत भी हो जाएगी। करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। बीसीसीआई ने इंग्लैंड पहुंचने का जो वीडियो शेयर किया है उसमें खिलाड़ी एक दूसरे के साथ हंसी मजाक करते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कह रहे हैं, 'रात में बंदे ने चश्मा पहना हुआ है।' वीडियो में गिल भी नजर आए। वहीं, साई सुदर्शन ने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बनकर उत्सुक हूं।' इसमें पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि केएल राहुल, करुण नायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड पहुंच गए थे और वे इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं।

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है...

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

बंगलूरू भगदड़ मामले में फंसे कोहली, सामाजिक कार्यकर्ता ने विराट के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

बंगलूरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी बंगलूरू भगदड़ मामले में फंसते दिखाई दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एच.एम वेंकटेश ने कोहली को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरसीबी ने मंगलवार को पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। यह इस फ्रेंचाइजी का पहला आईपीएल खिताब था जिसके बाद बंगलूरू में जश्न मनाने का फैसला किया गया था।पुलिस सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश की शिकायत पर फिलहाल कोहली के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। वेंकटेश ने कोहली को आरसीबी की खिताबी जीत के दौरान मची भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराया है। बंगलूरू में बुधवार को आरसीबी की जीत का जश्न मनाया गया था। इसके लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन ज्यादा भीड़ आने के कारण स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई और इसमें 11 लोगों की मौत हुई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे।इससे पहले, वेणु नामक पीड़ित ने कब्बन पार्क पुलिस थाने में आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी और भगदड़ के लिए इन्हें जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले, कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और केएससीए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जिसके बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा था और उन्होंने कोर्ट से चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। केएससीए को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी।

पेरू के ब्रायन रेयना (दाएं) कोलंबिया के बैरेंक्विला में मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में विश्व कप 2026 क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच के दौरान कोलंबिया के जॉन एरियास के पास से गेंद को मारते हुए।

पीयूष चावला का स्वर्णिम सफरः पीतल नगरी से निकला सोना, जुनून और संघर्ष से पाई मंजिल

मुरादाबाद। मिट्टी की पिच पर मैट बिछाकर घंटों पसीना बहाने वाले शहर के एक लड़के ने आज जब क्रिकेट को अलविदा कहा तो उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं। उनका नाम क्रिकेट इतिहास में दो विश्वकप जीतने वाली टीम के खिलाड़ी के रूप में दर्ज है। मुरादाबाद की गलियों से निकलकर विश्वकप की ट्रॉफी थामने वाले पीयूष ने अपने जुनून व संघर्ष से यह मुकाम हासिल किया। वह नजारा कोई नहीं भूल सकता जब भारत ने 2011 में विश्वकप जीता था और मुरादाबाद का बेटा नीली जर्सी में तिरंगे के साथ खड़ा था। इस मुकाम तक पहुंचने की कहानी सिर्फ आंकड़ों की नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सपनों की तपिश की लंबी दास्तां है।अब, जब उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का एलान किया, तो शहर के खेल प्रेमियों की आंखें नम हो गईं। गर्व और भावुकता, दोनों भाव साथ हैं। पीयूष चावला ने क्रिकेट की शुरूआत सोनकपुर स्टेडियम की साधारण सी मिट्टी वाली पिच से की थी।

'मैं उनके बच्चों की मां हूं', श्रेयस अय्यर के प्यार में दीवानी हुई ये अभिनेत्री; कह दी बड़ी बात

एजेंसी ● नई दिल्ली

पंजाब किंग्स भले ही आईपीएल 2025 का खिताब नहीं जीत पाई, लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर की दीवानगी प्रशंसकों के सिर चढ़ कर बोल रही है। इसका ताजा उदाहरण है फिल्म अभिनेत्री एडिन रोज का बयान, जो उन्होंने एक इंटरव्यू में दिया। उन्होंने कहा कि वह मन ही मन इस खिलाड़ी को अपना पति मान चुकी हैं और खुद को उनके बच्चों की मां मानती हैं।

बिग बॉस 18 फेम अभिनेत्री एडिन रोज ने फिल्मी ज्ञान को दिए एक इंटरव्यू में अपने पसंदीदा क्रिकेटर पर बात की। उन्होंने बताया कि वह श्रेयस अय्यर को बहुत पसंद करती हैं। वह ऑन द स्पॉट उनसे शादी करना चाहती हैं। रोज ने यह भी कहा कि वह मन ही मन खुद को उनके बच्चों की मां मानती हैं।इस दौरान एडिन रोज ने श्रेयस की चार खूबियां भी गिनाईं। उन्होंने कहा कि अय्यर लंबे हैं। इसके अलावा डार्क और हैंडसम हैं। उनकी बियर्ड (दाढ़ी) भी अच्छी है। वह भारत का प्रतिनिधित्व भी करते हैं और देश के लिए खेलते हैं। रोज ने कहा- 'मैं उनसे ऑन द स्पॉट शादी कर लूंगी। मुझे जो चार खूबियां चाहिए- वह लंबे हैं, डार्क और हैंडसम हैं, उनकी बियर्ड भी अच्छी है और मसल भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण वह हमारे देश के लिए खेलते हैं। वह मेरे पिता की तरह दक्षिण भारत से आते हैं। मैं मानती हूं कि मैं उनके बच्चों की मां हूं। मेरे हिसाब से मैं उनसे शादी कर चुकी हैं।'श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में भले ही पंजाब खिताब नहीं जीत पाई, लेकिन 2014 के बाद टीम पहली बार फाइनल में प्रवेश करने में कामयाब रही। वह तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान हैं। श्रेयस इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ साल 2020 में और कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2024 में आईपीएल फाइनल में पहुंच चुके हैं। उनकी कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल खिताब भी जीता था। अय्यर खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित करने में कामयाब हुए जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो सकती है।

फुटबॉल मैच में जीत की खुशी मातम में बदली, जश्न के दौरान कोच की हार्ट अटैक से मौत

खेल संवाददाता ● भिलाई

रिसाली के रावण भाठा मैदान में शुक्रवार को आयोजित जिला स्तरीय जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान न्यू मशाल क्लब की जीत का जश्न अचानक मातम में बदल गया. खुशी से टीम के साथ नाचते-झूमते कोच सुरेश राउत की हार्ट अटैक से मौत हो गई.दरअसल, मैच खत्म होते ही खिलाड़ी और कोच सुरेश राउत (52) जीत की खुशी में झूम रहे थे. लेकिन कुछ ही देर बाद कोच की तबीयत बिगड़ी और वह कुर्सी से नीचे गिर पड़े. तुरंत उन्हें रिसाली के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. आशंका जताई जा रही है कि उन्हें कार्डिएक अरेस्ट हुआ था. जानकारी के मुताबिक, सुरेश राउत भिलाई-3 स्थित विश्व बैंक कॉलोनी के निवासी थे और पेशे से एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत थे. साथ ही वे न्यू मशाल क्लब (जूनियर) के कोच के रूप में बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे थे. शुक्रवार को वे अपनी टीम के साथ फाइनल मुकाबले के लिए रिसाली के दशहरा मैदान के पास स्थित फुटबॉल ग्राउंड पहुंचे थे.

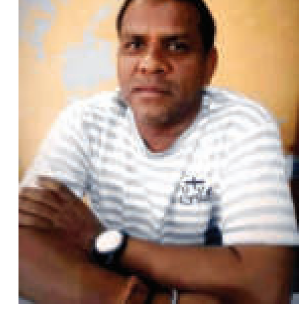

मैच बेहद रोमांचक रहा. प्रतिद्वंद्वी टीम ने शुरूआती बढ़त लेते हुए तीन गोल किए, लेकिन न्यू मशाल क्लब ने शानदार वापसी करते हुए तीन गोल दागे और अंततः निर्णायक गोल करते हुए मुकाबला जीत लिया. जीत के बाद मैदान में खुशी का माहौल था और सुरेश राउत भी खिलाड़ियों के साथ जश्न में शामिल थे.जश्न के कुछ समय बाद खिलाड़ी और कोच नाश्ता कर रहे थे, तभी कोच सुरेश की तबीयत अचानक बिगड़ी. वे कुर्सी से गिर पड़े और फिर होश में नहीं आए. अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद उनका शव सुपेला के सरकारी अस्पताल के मचुर्री में भेजा गया, जहां शनिवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा. बताया जा रहा है कि सुरेश राउत की पत्न ी इस समय गांव में हैं और उनकी कोई संतान नहीं है. इस अप्रत्याशित घटना से क्षेत्र के फुटबॉल प्रेमियों और खिलाड़ियों में शोक की लहर है.

दक्षिण अफ्रीका के वार्नर बीच में वार्षिक सार्डाइन दौड़ के दौरान मछुआरे सार्डाइन मछलियों को जाल से भरते हुए।

शॉट न्यूज

लंदन में पंजाबी सिंगर की कार तोड़ी

लंदन। लंदन में पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा की जगुआर कार में तोड़फोड़ की गई। कार का पिछला शीशा तोड़कर चोर महंगे बैग और अटैची चोरी कर ले गए। सिंगर इन दिनों लंदन में किसी काम से पहुंची हैं। कल सुबह ये वारदात सामने आई। सिंगर ने खुद इस सारे मामले की जानकारी साझा की है। सिंगर सुनंदा शर्मा ने गाड़ी के पास खड़े होकर कहा कि मैं इस वक्त लंदन में हूं और ये मेरी कार की स्थिति है। लंदन में शरारती तत्वों ने मेरे बैग चोरी कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत के पैसों से खरीदें गए दो लुई वुइटन के बेशकीमती बैग, एक अटैची और एक लुई वुइटन का हैंडबैग चोरी हो चुका है। दोनों बैग मेरे फेवरेट थे। मेरी गाड़ी के साथ उन्होंने क्या किया ये। सिर पर हाथ रखकर कहा- एवरीथिंग इस गॉन (सब कुछ चला गया)। सुनंदा शर्मा का जन्म पंजाब में जिला गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूड़ियां में हुआ है।

टेस्ला की लाल कार बचेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बीच इन दिनों काफी तनातनी चल रही है। इस बीच, ट्रंप ने अपनी रेड टेस्ला मॉडल एस कार को बेचने या हटाने पर विचार कर रहे हैं, जिसे उन्होंने मार्च में मस्क की कंपनी को बढ़ावा देने के लिए 80 हजार डॉलर में खरीदा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने तब कहा था कि उन्होंने छूट नहीं ली, क्योंकि छूट लेने पर लाभ लेने का आरोप लग सकता था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार कई हफ्तों से व्हाइट हाउस में खड़ी है। जो उनके और मस्क के बीच बढ़ते तनाव का प्रतीक है। दो दिग्गजों के बीच यह विवाद तब शुरू हुआ जब ट्रंप ने गुरुवार को ओवल ऑफिस में टेलीविजन प्रसारण के दौरान मस्क की आलोचना की, क्योंकि मस्क ने ट्रंप के 'बिग, ब्यूटीफुल' खर्च बिल की आलोचना की थी। ट्रंप ने कहा कि वे मस्क से निराश हैं, जिन्हें उन्होंने बहुत मदद की थी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक और सबूत

आतंकी संगठन जैश के मुख्यालय पर लगा परमानेंट क्लोज्ड का टैग

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत की ओर से जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित हेडक्वार्टर पर किए गए हमले के बाद अब बहावलपुर के 'मरकज़ सुभान अल्लाह कैंप' को गूगल मैप्स पर 'स्थायी रूप से बंद' दिखाया जा रहा है। ये वही ठिकाना है जिसे आतंकी मसूद अजहर ने एक मस्जिद के नाम पर स्थापित किया था, लेकिन इसका असल उद्देश्य आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथी प्रचार और चंदा एकत्र करना था।

प्रचार

बता दें कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए थे। ये हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बदले में किया गया था।

बहावलपुर का ये कैंप भारत-पाकिस्तान सीमा से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित था और जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख प्रशिक्षण और कट्टरपंथी बनाने का केंद्र था। भारत के हमले में इस परिसर को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। ये कैंप अल-रहमत ट्रस्ट के जरिए फंडिंग पाता था। इस आतंकी संगठन ने भारत में कई भीषण हमलों को अंजाम दिया है, इसमें 2001 संसद हमला, 2016 पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 पुलवामा हमला शामिल है। 7 मई को एक न्यूज चैनल को मिले एक वीडियो में आतंकी केंद्र सुभान अल्लाह कैंप को क्षतिग्रस्त दिखाया गया था। इसमें चारों ओर मलबे के ढेर और छत में एक बड़ा छेद दिखाई दिया था। एक महीने बाद गूगल मैप्स ने बहावलपुर बाईपास के ठीक बगल में स्थित जामिया मस्जिद की आड़ में बने मरकज सुभान अल्लाह को स्थायी रूप से बंद दिखाया है।

गूगल मैप्स पर किसी स्थान को स्थायी रूप से बंद घोषित करने के पीछे अक्सर उपयोगकर्ताओं की रिपोर्ट, स्थान के मालिक की जानकारी या गूगल एल्गोरिदम की निष्क्रियता की पहचान होती है। इस मामले में कई उपयोगकर्ताओं की ओर से कैंप की बंदी की पुष्टि होने के बाद ऐसा बदलाव किया जाता है। ये ठिकाना पाकिस्तान की 31वीं कॉर्प्स के सैन्य मुख्यालय के पास स्थित था और इसके 18 एकड़ के परिसर में आतंकी गतिविधियां लंबे समय से चल रही थीं।

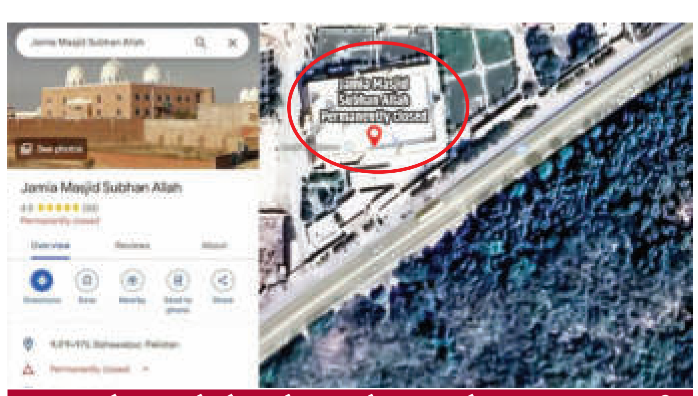

भारत के हमले में मारे गए थे 100 से ज्यादा आतंकी

भारत ने इस हमले के तहत जैश के अलावा लश्कर-ए-तैयबा और हिज़बुल मुजाहिदीन के कई अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया था। इनमें मुरिदके में मरकज तैयबा (LeT मुख्यालय), सियालकोट में सरजाल कैंप और महमूना जोया कैंप, कोटली में अब्बास कैंप और गुलपुर कैंप के साथ ही मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल और सवाई नाला कैंप शामिल थे। इन हमलों में 100 से अधिक आतंकी मारे गए थे। हालांकि जैश को 2002 में पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन वह अब तक खुलेआम काम करता रहा है। मसूद अजहर को भी पाकिस्तान में बार-बार देखा गया है। भारत की यह सैन्य कार्रवाई न केवल रणनीतिक बल्कि मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर भी बड़ी जीत मानी जा रही है, और गूगल मैप्स पर स्थायी रुप से बंद का टैग इसी का संकेत है।

रूस का यूक्रेन पर जवाबी हमला : 400 ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं

चार की मौत, पुतिन ने कहा था- बदला जरूर लूंगा

कीव ● एजेंसी

रूस ने बीती रात यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों पर 400 से ज्यादा ड्रोन और 40 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत के एक दिन बाद हुआ। इन हमलों में यूक्रेन के 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से ज्यादा से घायल हैं। रूस के हमले के बीच सभी यूक्रेनी क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी जारी कर दी गई है। यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा कि रूस के टीयू-95एमएस बाम्बर एयरक्राफ्ट ने क्रूज मिसाइलें दागीं है। यूक्रेन के कीव, टर्नोपिल, खमेलनित्सकी, ल्विव और लुत्स्क से विस्फोटों की खबरें सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ यूक्रेन और ईरान के मुद्दे पर करीब 75 मिनट बात की थी। ट्रम्प ने बताया था कि पुतिन ने कहा कि वो यूक्रेन की तरफ से हाल ही में रूस के अंदर किए गए ड्रोन अटैक का बदला लेंगे। यूक्रेन ने 1 जून को रूस के एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था। इन हमलों में रूस के 5 एयरबेस पर मौजूद 41 एयरक्राफ्ट्स को निशाना गया।

यूक्रेन ने किया था ड्रोन हमला

यूक्रेन ने 1 जून को रुस के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया था। ये एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स थे। इन 117 ड्रोन्स ने रुसी एयरबेस में खड़े ए-50, टीयू-95 और टीयू-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स को निशाना बनाया। यूक्रेन ने इस पूरे ऑपरेशन को 'स्पाइडर वेब' नाम दिया था।

एक पिता का वीडियो देख भावुक हो गए लोग

गाजा में 2300 रुपए का हो गया पारले-जी बिस्किट का पैकेट

गाजा ● एजेंसी

युद्धग्रस्त गाजा में अब पारले-जी की पैकेट भी केवल अमीर ही खरीद सकते हैं। आम लोग अपने बच्चों को भूख मिटाने के लिए एक पैकेट बिस्किट भी नहीं दे सकते हैं। एक वायरल पोस्ट में दावा किया किया गया है कि गाजा में पारले-जी बिस्किट की कीमत 500 गुना तक पढ़ गई है। मो। जावेद नाम के यूजर ने अपने एक्स हैंडल पर बच्चे के साथ एक वीडियो पोस्ट की है। वीडियो भी भावुक कर देने वाला है। एक पिता ने अपने बच्चे को पारले जी बिस्किट के पैकेट गिफ्ट किए हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, लंबे इंतजार के बाद रवीफ क उसके पसंदीदा बिस्किट मिल गए। पारले-जी की कीमत 1.5 यूरो से 24 यूरो होने के बाद भी मैं उसकी पसंदीदा दावत के लिए उसे इनकार नहीं कर पाया। भारतीय बाजारों में आज भी यह बिस्किट मात्र पांच रुपये में उपलब्ध है। बता दें कि 1.5 यूरो भारतीय रुपये में लगभग 146 होता है। वहीं 24 यूरो की कीमत लगभग 2342 रुपये है। दुनियाभर में जिसने भी यह पोस्ट देखी उसका दिल दर्द से भर गया। बच्चे के चेहरे की मासूमियत और एक पिता की उसे खुश करने की शिद्दत देखकर लोग भावुक हो गए। इस एक वीडियो से गाजा की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। सोशल मीडिया पर बहुत सारे लोगं ने सरकारी अधिकारियों और पारले कंपनी से गाजा के लोगों की मदद करने की अपील की है। एक यूजर ने कहा, भारत चाहे तो गाजा में पारले जी बिस्किट भिजवा सकता है लेकिन हमास के आतंकी ट्रक ही पकड़ लेंगे और खाने का सामान लूटकर लोगों में ब्लैक करेंगे।

गिफ्ट

गाजा में भुखमरी और कुपोषण से मौतें

गाजा में हाल यह है कि बमबारी से ज्यादा मौतें भुखमरी और कुपोषण से होने लगी हैं। बड़ी संख्या में बच्चे बीमारियों का शिकार बन रहे हैं। यूएन की रिपोर्ट के मुतबिक पिछले एक साल में ही कुपोषित बच्चों की संख्या तीन गुनी हो गई है। दो महीने का सीजफायर खत्म होने के बाद इजरायल ने गाजा के लिए 11 हफ्तों का ब्लॉकेड लगा दिया था। युद्ध से पूरी तरह से तबाह गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने शुक्रवार को खंडहर हो चुकी मस्जिदों और घरों के बाहर नमाज अदा कर इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण त्योहार बकरीद की शुरुआत की। उन्होंने इस इस अवसर पर इजराइल से युद्ध जल्द समाप्त होने की दुआएं मांगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)